संगीत नाटक अकादेमी Sangeet Natak Akademi
NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA
an autonomous body of the Ministry of Culture, Government of India
RABINDRA BHAVAN, FEROZE SHAH ROAD, NEW DELHI-110 001

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना का प्रपत्र

1- प्रस्तावित योजना का कार्यक्षेत्र राज्य - हरियाणा

2- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का नाम (क्षेत्रीय, स्थानीय, हिंदी एवं अंग्रेज़ी में)- स्वांग / क्षेत्रिय

3- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से सम्बंधित समुदाय का भाषिक क्षेत्र और भाषा, उपभाषा तथा बोली का विवरण – स्वांग- हरियाणवी

4- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से स्पष्ट रूप से सम्बंधित प्रतिनिधि ग्राम, समुदाय, समूह, परिवार एवं व्यक्ति का नाम एवं संपर्क (विवरण अलग से संलग्न करें)- संलग्न

5- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों की जीवंतता का विस्तारित भोगोलिक क्षेत्र (ग्राम, प्रदेश, राज्य, देश, महादेश आदि) जिनमें उनका अस्तित्व है / पहचान है | - हरियाणा राज्य

6- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की पहचान एवं उसकी परिभाषा / उसका विवरण

1 . मौखिक परम्पराएं एवं अभिव्यक्तियाँ (भाषा इनमें अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एक वाहक के रूप में है) – हाँ

2 . प्रदर्शनकारी कलाएं –हाँ

3 . सामाजिक रीति-रिवाज़, प्रथाएँ, चलन, परम्परा, संस्कार, एवं उत्सव आदि-हाँ

4 . प्रकृति एवं जीव-जगत के बारे में ज्ञान एवं परिपाटी व अनुशीलन प्रथाएं

5 . पारंपरिक शिल्पकारिता

6 . अन्यान्य

7- कृपया योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का एक रुचिपूर्ण सारगर्भित संक्षिप्त परिचय दें – स्वांग हरियाणा राज्य का लोक नाट्य है I हरियाणा के लोक साहित्य महत्वपूरण एवं संपन्न है I इस साहित्य में संस्कृति स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित होती है I हरियाणा में लोक साहित्य पर बहुत काम हुआ है, लोक नाट्यों को लेकर अलग अलग तरह के शोध हुए पर सांगीत का क्षेत्र अभी अछूता है I

मेरा विषय हरियाणा के अप्रकाशित सांगीत का संकलन ,प्रकाशन एवं सांगीत्कारों का दस्तावेजीकरण है I सांगीत का अर्थ सिर्फ लोक नाट्य सांग के गीत न होकर हरियाणवी परम्परा के गीत हैं I

हरियाणा में स्वांग या सांगीत के नामपर सिर्फ पंडित लख्मीचंद पर ही कार्य हुआ है I अन्य व्यक्तियों या परम्पराओं पर शोध की अत्यंत आवश्यकता है I

8- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों के अधिकारी व्यक्ति और अभ्यासी कौन हैं ? क्या इन व्यक्तियों की कोई विशेष भूमिका है या कोई विशेष दायित्व है इस परम्परा और प्रथा के अभ्यास एवं अगली पीढ़ी को संचरण के निमित्त ? अगर है तो वो कौन हैं और उनका दायित्व क्या है ?

प्रदेश में अगर स्वांग की बात की जाए तो हरियाणा में इसके अभ्यासी अब कुछ ही बचे हैं I यहाँ स्वांग की विभिन्न प्रणालियाँ कार्य करती है जो गुरु शिष्य परम्परा पर आधारित हैं I

वर्तमान में लख्मीचंद की प्रणाली के अलावा मांगेराम, बाजेभगत, दीपचंद एवं पंडित मांगराम की प्रणाली के शिष्य काम कर रहे हैं.

इन शिष्यों की हरियाणा के लोकनाट्य को बचाए रखने में अहम् भूमिका है . चूंकि इन प्रणालियों के अलावा अभी तक कोई नए गुरु की परम्परा हरियाणा के लोक नाट्य में अभी तक स्थापित नहीं हो पायी है.

वर्तमान समय में डॉ सतीश कश्यप एवं डॉ संध्या शर्मा लख्मीचंद की प्रणाली को आगे बढाने का कार्य कर रहे हैं एवं नए लोगों को भी इसका प्रशिक्षण दे रहे हैं.

9. ज्ञान और हुनर/कुशलता का वर्तमान में संचारित तत्त्वों के साथ क्या अंतर सम्बन्ध है ?

स्वांग का असली स्वरुप कोई भी नहीं है . सांगीत महाभारत, रामायण एवम अन्य धार्मिक ग्रंथों एवं लोक कथाओं से प्रभावित हैं. हर प्रणाली ने लगभग एक ही स्वांग को भिन्न भिन्न प्रकार से पेश किया है.

हुनर की अगर बात की जाए तो वो अभी गायन वादन एवं प्रदर्शन तक ही सीमित है. कुशलता के क्षेत्र में स्वांग में अभी कोई ठोस कार्य नहीं हो पा रहा है. चूंकि स्वांग का अभ्यास करने वाले अधिकतर अभ्यासी अनपढ़ हैं.

10. आज वर्तमान में सम्बंधित समुदाय के लिए इन तत्त्वों का सामाजिक व सांस्कृतिक

आयोजन क्या मायने रखता हैं?

हरियाणा के सांगीत कलाकारों के आयोजन मुख्यतः ग्रामीण इलाकों में होते रहे हैं. प्रमुखतः किसी गौशालय मंदिर के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करने के लिए इन सांग मंडलियों को बुलाया जाता है.

किसी भी प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांग को जगह कंही मिलती है. इन दिनों संगीत नाटक अकादमी ने ज़रूर ये कदम उठाया है. अगर स्वांग के कलाकारों को मंच दिया जाए तो निश्चित ही सामाजिक रूप से ये मंडलियाँ और अधिक प्रभावी हो पाएंगी एवं दूसरी जगह के लोक नाट्यों के स्वरूप में हो रहे बदलाव को देख शायद हरियाणा के लोक नाट्य में भीं समयानुसार बदलाव हो पायेगा.

11. क्या योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों में ऐसा

कुछ है जिसे प्रतिपादित अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार के मानकों के प्रतिकूल माना जा सकता है या फिर जिसे समुदाय, समूह या फिट व्यक्ति के आपसी सम्मान को ठेस पहुँचती हो या फिर वे उनके स्थाई विकास को बाधित करते हों. क्या प्रस्तावित योजना के तावत या फिर सांस्कृतिक परम्परा में ऐसा कुछ है जो देश के कानून या फिर उनसे जुड़े समुदाय के समन्वय को या दूसरों को क्षति पहुंचाती हो ? विवाद खड़ा करती हो ?

हरियाणा के स्वांग में मांगेराम , लख्मीचंद , दीपचंद एवं बाजे भगत की प्रणालियाँ कार्य कर रही हैं. हर प्रणाली का शिष्य अपने द्वारा किये जा रहे लोकनाट्य को अधिक प्रभावशाली बताता है.

यहाँ अगर किसी एक परम्परा को ही चिन्हित या अधिक प्रभावशाली तरीके से पेश किया जाए तो एक वैचारिक मतभेद उभर सकता है.लेकिन कुछ भी बाधित होने या किसीको क्षति पहुँचाने जैसा कुछ नहीं है क्योंकि मेरा विषय अप्रकाशित सांगीतों का संकलन भी है जिसमें इन परम्पराओं से परे भी सांगीत हैं जो स्वांग परम्परा से ही नहीं बल्कि रीति रिवाजों , त्योंहारों से भी हैं.

13. प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की योजना क्या उससे सम्बंधित

संवाद के लिए पारदर्शिता, सजगता और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करती है ?

हरियाणा के कलाकारों को खासतौर पर स्वांग के कलाकारों को प्रशिक्षण की सख्त ज़रुरत है. इस मामले में यह कलाकार बिलकुल अछूते हैं. इस योजना को जब उनसे सांझा किया गया तो निश्चित रूप से पारदर्शिता से उन्होंने अपने पक्ष रखे .

14. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों के संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले उपायों/क़दमों/प्रयासों के बारे जानकारी में जो उसको संरक्षित या संवर्धित कर सकते हैं.

    उल्लेखित उपाय/उपायों को पहचान कर चिन्हित करें जिसे वर्तमान में सम्बंधित समुदायों, समूहों, और व्यक्तियों द्वारा अपनाया जाता है |

    1- औपचारिक एवं अनोपचारिक तरीक़े से प्रशिक्षण (संचरण)- हाँ
    2- पहचान, दस्तावेजीकरण एवं शोध - हाँ
    3- रक्षण एवं संरक्षण -
    4- संवर्धन एवं बढ़ावा - हाँ
    5- पुनरुद्धार / पुनर्जीवन – हाँ

    इसके अलावा काफी स्वांग कलाकारों से बातचीत करके एक रास्ता और निकला है वो है की हरियाणा में एक स्वांग गुरुकुल की स्थापना की जाए . इसके अलावा इस विषय पर दूसरी रिपोर्ट में विशेष तौर पर बल दिया जाएगा.

15. स्थानीय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत परम्परा के तत्त्वों के संरक्षण के लिए अधिकारियों ने क्या उपाय किये ? उनका विवरण दें |

    हरियाणा कला परिषद के अध्यक्ष रहे कृष्ण चन्द्र शर्मा ने हरियाणा कला परिषद् में रहते हुए स्वान्गियों का कुछ दस्तावेजीकरण किया एवं लख्मीचंद के कार्यों को प्रचारित किया, इसके अलावा उन्होंने कुछ किताबों का प्रकाशन भी किया. सांस्कृतिक विभाग हरियाणा के सह निदेशक रहे भाल सिंह ने स्वांग प्रदर्शन की प्रदर्शन राशि बढ़ने में सहयोग किया . दूसरी रिपोर्ट में विस्तृत जानकारी उपलब्ध हो पाएगी.

16. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों के व्यवहार, जीवन्तता और भविष्य को क्या खतरे हैं ? वर्तमान परिदृश्य के उपलब्ध साक्ष्यों और सम्बंधित कारणों का व्योरा दें |

    हरियाणा में स्वांग को लेकर कोई बदलाव नहीं हो रहा है . इक्का दुक्का नाट्य दलों को छोड़ कर कोई भी दल कुछ रचनात्मक करना नहीं चाह रहा है. कारण है कलाकारों का शिक्षित न होना.

    नौटंकी, कुड़ीअट्टम या छाऊ की तरह स्वांग सीखने के लिए कोई प्रशिक्षण केंद्र नहीं है और न ही सरकार ने इसकी कोई पहल् की है. हरियाणा में आज संगीत दूसरा रूप ले रहा है.

    स्वांग गीतों को हरियाणवी पॉप और अन्य आधुनिक तरीकों से पेश किया जा रहा है जो युवा वर्ग को अधिक आकर्षित कर रहा है. इस कारण असली स्वांग कोई देखना नहीं चाह रहा है.

    स्वांग के जो गुरु वर्तमान समय में हैं वो नए शिष्य तैयार तो कर रहे हैं लेकिन उन्हें आगे नहीं बढ़ा रहे .

17. संरक्षण के क्या उपाय अपनाने के सुझाव हैं ? (इसमें उन उपायों के पहचान कर उनकी चर्चा करें जिससे के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा मिल सके | ये उपाय ठोस हों जिसे भविष्य की सांस्कृतिक नीति के साथ आत्मसात किया जा सके ताकि के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों का राज्य स्तर पर संरक्षण किया जा सके |)

- सांगीत्कारों की पह्चान हो जो इस योजना से संभव है .
- दस्तावेजीकरण .
- सरकार के सम्मुख यह आंकड़े पेश कर इस विशेष कम्युनिटी पर सरकार का ध्यान केन्द्रित करना .
- स्वांग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना एवं विभिन्न प्रणालियों के बारे में शिक्षित करना .
- ऑडियो , विडियो दस्तावेजीकरण
- स्वांग मंडलियों का आपस में एक वार्तालाप
- स्वांग उत्सवों का आयोजन हर जिले में किया जाए

18. सामुदायिक सहभागिता (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों के संरक्षण की योजना में समुदाय, समूह, व्यक्ति की सहभागिता के बारे में लिखें)

संध्या शर्मा हरियाणा की नामी स्वांग कलाकार है . हरियाणा के स्वांग को लेकर इन्होने डॉ सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में नए स्वांग भी किये हैं एवं स्वान्के रूप को पहले से सहज बनाया है. इन्होने भी सांग कलाकारों के आर्थिक पक्ष पर शोध किया है. इन्ही के मार्गदर्शन को लेकर मैं भी इस विषय को अधिक गहराई तक जानने की कोशिश में लगा हूँ.

पंडित लख्मीचंद की प्रणाली से ही विकास सातरोडिया युवा संगीतकार हैं जो इन समुदायों से परिचित करवा रहे हैं.

19. सम्बंधित समुदाय के संघठन(नों) या प्रतिनिधि (यों) (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों से जुड़ें हर समुदायिक संगठन या प्रतिनिधि या अन्य ग़ैर सरकारी संस्था जैसे की एसोसिएशन, आर्गेनाइजेशन, क्लब, गिल्ड, सलाहकार समिति, स्टीयरिंग समिति आदि)

1- संस्था /कम्पनी/ हस्ती का नाम
2- सम्बंधित/ अधिकारी व्यक्ति का नाम पदनाम व संपर्क
3- पता
4- फोन नंबर : मोबाइल न. :
5- ईमेल :
6- अन्य सम्बंधित जानकारी

अंतिम रिपोर्ट में विस्तार से इस पर कार्य किया जाएगा.

20. किसी मौजूदा इन्वेंटरी, डेटाबेस या डाटा क्रिएशन सेंटर (स्थानीय/राज्यकीय/ राष्ट्रीय) की जानकारी जिसका आपको पता हो या आप किसी कार्यालय, एजेंसी, आर्गेनाईजेशन या व्यक्ति की जानकारी को इस तरह की सूची को संभल कर रखता हो उसकी जानकारी दें |

दूसरी रिपोर्ट में इस विषय पर कार्य होगा.

21. के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों से संबंधित प्रमुख प्रकाशित संदर्भ सूची या दस्तावेज़ (किताब, लेख, ऑडियो-विसुअल सामग्री, लाइब्रेरी, म्यूजियम, प्राइवेट सह्रदयों संग्राहकों, कलाकारों/व्यक्तियों के नाम और पते तथा वेबसाइट आदि जो सम्बंधित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्त्वों केबारे में हों |

हस्ताक्षर .....
नाम व पदनाम –मनीष जोशी
संस्थान का नाम (यदि है तो) .....
पता -616 सेक्टर 15-ए हिसार हरियाणा -125001
फोन न. 01662225613..मोबाइल : 9911020613
ईमेल –abhinayahisar@gmail.com
File No. 28-6/ICH-Scheme/2015-16/35

संगीत नाटक अकादेमी Sangeet Natak Akademi
NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA
an autonomous body of the Ministry of Culture, Government of India
RABINDRA BHAVAN, FEROZE SHAH ROAD, NEW DELHI-110 001

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना के तहत

हरियाणा के अप्रकाशित सांगीत (रागनी) का संकलन संगीतकारों का दस्तावेजीकरण एवं प्रकाशन

प्रथम अध्याय - सांगीत – 2-67
दूसरा अध्याय -सांगीत का मूल रूप और संवर्धन 67-86

First Report By :

Manish Joshi

9911020613 / 7404502740

abhinayahisar@gmail.com

File No. 28-6/ICH-Scheme/2015-16/35

izFke v/;k;

lakxhr&

laLd`fr ds fodkl esa lakxhr dh ljkguh; Hkwfedk gSA lakxhr tuekul esa O;kIr euksHkkoksa dks O;Dr djus dk l’kDr ek/;e gSA

lkaxhr Hkko vfHkO;Dr djus dk ,d ,slk vkd"kZd ek/;e gS ftlds }kjk yksdekul vius ân;xr Hkkoksa dks c[kwch izdV djrk gSA lkaxhr tuekul ds vUr%dj.k ls izLQqfVr gksrk gSA ,d lgt LokHkkfod vkuUn dk L=ksr gSA ftlds }kjk euq"; vius thou ds cks>] O;Fkkvksa rFkk nq%[kksa vkfn dks ijLij ckaVus dk iz;Ru djrk gS vkSj lkFk gh eu ds g"kZ ,oe~ mYykl dks Hkh iznf’kZr djrk gSA

lkaxhr yksdlaxhr dk gh nwljk uke gSA vFkkZr~ tks laxhr tu lk/kkj.k }kjk lgt Hkko ls xk;k tk, og yksdlaxhr dgykrk gSA yksdlaxhr tu&lk/kkj.k dh vkUrfjd Hkkoukvksa dk izrhd gSA ljy Hkk"kk] ljy dkO; ,oe~ ljy /kquksa

ls vkc) bl laxhr esa fdlh O;kdj.k rFkk 'kkL= ds fu;U=.k dh vko’;drk ugha oju~ izkd`frd ,oe~ LokHkkfod :Ik ls Lo;a izLQqfVr gksrk gSA**

Ykksd laxhr dks Loj jpuk esa fdlh jkx fo’ks"k] Loj oSfp= ;k xed vkfn dk iwoZ fu/kkZfjr cU/ku ugha gksrk ysfdu fQj Hkh os lHkh laxhfrd rRo bu lkaxhrksa esa LokHkkfod :Ik ls fufgr jgrs gSaA**

bl izdkj lkaxhr fdlh O;fDr fo’ks"k dh ugha vfirq lkekU; tuekul dh vKkr l`f"V gSA ftldh jpuk esa vutkus gh ekuo dh dYiuk] jkxkRed] o`fÙk] Hkkouk rFkk thou dh izR;sd xfrfof/k esa fufgr vkd"kZ.k Lo;a lfEefyr gks tkrs gSaA bl izdkj ekuo ân; ds vuqdwy ,oa izfrdwy ifjfLFkfr;ksa esa dHkh mldh vkRek dk vkuUn] vkafxd ps"Vkvksa ds ek/;e ls O;Dr gksdj u`R; cu tkrk gS] dHkh vkuUn ,oa mRlkg ds dkj.k fd, x, e/kqj vk?kkrksa ds :Ik esa vfHkO;Dr gksdj ok| laxhr fufeZr gks tkrk gSA bl izdkj fdlh Hkh d`f=erk ls nwj lkaxhr esa laxhr ds lkfRod Hkko dk n’kZu lgt gh gks tkrk gSA

Hkk"kk ds ek/;e ls ftu lw{e Hkkoksa dks vfHkO;Dr fd;k tk ldrk gS og laxhrkRed Loj ygfj;ksa ds ek/;e ls Lor% izdV gks tkrs gSaA ekuo eu ds Hkkoksa dh vfHkO;fDr dk ;g jgL; lEHkor% vkfn dky ls pyk vk jgk gSA vius

g"kZ mYykl rFkk fo"kkn dks izdV djus ds fy, Hkk"kk ds vHkko esa ftu /ofu;ksa dk iz;ksx fd;k gksxk lEHkor% lkaxhrksa esa iz;qDr vks] gks gs] th vkfn fujFkZd 'kCnksa dk iz;ksx mldh izkphurk dks izdV djrk gSA

Lkaxhr ,d ekSf[kd ijEijk gS] ftlesa f’k{kk dk fo’ks"k egRo ugha gSA ftl izdkj ,d NksVk ckyd tUe ls gh galus] jksus rFkk [kkus&ihus dh izfØ;k dks tkurk gS] ?kqa?k: dh >adkj ;k fdlh ok| dh e/kqj /ofu ds izfr Lo;a dks vkdf"kZr gksrk gSA mlh izdkj lkaxhr Hkh ekuo eq[k ls Lo;a izLQqfVr gksrk gSA bruk vo’; dgk tk ldrk gS fd ftl izdkj ckyd dks pyus&fQjus ds fy, dsoy vuqdj.k ek= ls gh fn’kk iznku dh tkrh gSA mlh izdkj yksdlaxhrKksa }kjk tu lk/kkj.k dks Hkh yksdlaxhr ds fof’k"V Lo:Ik dk vkHkkl ek= djk;k tkrk gSA blds i'pkr~ gh ;g tuleqnk; }kjk Lor% fufeZr gksrk gSA

lH;rk ds fodkl ds lkFk&lkFk laxhr dh vkarfjd :Ikjs[kk] laxhr ds lkFk iz;qDr gksus okys ok|ksa rFkk u`R; vkfn esa Hkh vUrj vkrk tkrk gSA xk;u] oknu rFkk urZu ds {ks= esa laxhr dks fuf’pr vkdkj nsus ds iz;Ru esa /khjs&/khjs dqN rduhdh fu;eksa vkSj fl)kUrksa dk fuekZ.k gqvk ftUgsa ;ksX; fo}kuksa us xzUFk fy[kdj iw.kZrk iznku dhA dgk tk ldrk gS fd yksdlaxhr tc fodkl ds mPp Lrj rd igq¡p tkrk gS rc og xq.khtu vius ân; vkSj

cqf) ds lEuo;frd iz;Uuksa ls yksd&laxhr esa rÙoksa dk lw{e v/;;u djds dqN fl)kUrksa ij izfrcU/k yxk nsrs gSaA bUgha fl)kUrksa ,oe~ fu;eksa dk izfrQy gh 'kkL=h; laxhr gksrk gSA

lkaxhr dh fo’ks"krk &

lkaxhr lkekU;r% xzkeh.k turk dh Hkkouk dh LokHkkfod vfHkO;fDr gSA lkaxhr ds eq[; rRo Loj] Hkk"kk] y; vkSj rky gSaA

Loj vFkkZr~ /ofu izd`fr dk xq.k gS tks vkdk’k dh Hkkafr O;kid vkSj v[k.M gSA unh dh dy&dy] i'kq&if{k;ksa dh pgpgkgV] gok ds >ksadks ds dkj.k o`{kksa ls gksrh >u>ukgV] o"kkZ dh cwnksa dh ViVi] cknyksa dk xtZu] f’k’kq dk ØUnu vkSj fdydkjh vkfn vusd /ofu;ksa laxhrkRed /ofu dh izsj.kk L=ksr gSA ekuo us viuh cqf) iz;ksx ls bu lHkh /ofu;ksa dks lqudj mUgsa izfr/ofur djus dk iz;Ru fd;k vkSj ;gh iz;Ru gh lEHkor% yksd /kquksa dh mRifr dk vk/kkj Hkh gksxkA fHkUu&fHkUu LFkkuksa ij fHkUu fHkUu HkkSxksfyd voLFkk ds dkj.k gh lEHkor% izknsf’kd Lrj ij Hkh yksd laxhr esa fHkUurk izrhr gksrh gSA ;g fHkUurk y; ds fof’k"V iz;ksxksa] fof’k"V Loj laxfr;ksa ls n`f"Vxr gksrh gSA yksd /kquksa dh fufeZrh ekuo ds

vkl&ikl ds okrkoj.k] nSfud thou dh ?kVukvksa] ewy HkkokRed la?k"kksaZ ds izfrQy Lo:Ik gksrh gSA

LokHkkfod :Ik ls izns’k fo’ks"k dh xfrfof/k;ksa ls ;g /kqusa izHkkfor gksrh gSaA blfy, izknsf’kd Hkk"kk u tkuus ij Hkh yksd/kquksa ds LojkRed /kkjk&izokg ls mlds igkM+h {ks= gksus dk] rVorhZ {ks= gksus dk] la?k"kZ/khy {ks= gksus dk vFkok vkfnoklh {ks= gksus dk vkHkkl Hkh fey tkrk gSA ,d ,slh jpuk tks e/kqj Lojksa dk :Ik /kkj.k dj lqdksey daB ds ek/;e ls eq[kfjr gksrh gS rHkh lkaxhr dk jatd rÙo mHkj dj lkeus vkrk gSA <ksyd] rk’kk] chu] fpeVk] Ms:] ?kM+ok vkfnA gekjs yksdok| bl jatdyk dks vkSj vf/kd lkSUn;ZRedrk iznku djrs gsaA yksdok|ksa esa izkd`frd midj.kksa dk fo’ks"k egRo gSA taxyh i'kqvksa dh [kky] lhax] ckal] vkfn dk iz;ksx djds vusdkusd yksdok|ksa dk fuekZ.k muds ek/;e ls e/kqj /ofu;ksa dks mRiUu djds mudk iz;ksx lkaxhr esa fd;k tkrk gSA

yksddykdkj lHkh fl)kUrksa vkSj fu;eksa ls vifjfpr gksrs gq, Hkh dsoy jatdyk ds rRoksa dks gh /;ku esa j[krs gSaA gfj;k.kk ds dykdkj ?kM+s ij jcM+ yisV dj peM+s ds iVVs ls ?kM+s ij izgkj djds mlls mRiUu gksus okyh Vadkj vkfn /ofu;ksa dk iz;ksx yksd/kqu ds lkSan;Z dks c<+kus ds fy, djrs

gSaA ;gh dkj.k gS fd lkaxhr dk LorjkRed lkSan;Z fu;eksa vkSj fl)kUrksa ds /kjkry ij vklhu gksus dh vis{kk ljyrk] lgtrk] ,oe~ ljlrk vkfn xq.kksa ls ;qDr jgrk gSA

Hkk"kk lkaxhr dk ,d izeq[k vax gS D;ksafd Loj vkSj y; ls ;qDr lkeqfgd xhrksa dh vfHkO;fDr esa Hkk"kk gh ikfjokfjd ,oa lkekftd thou dk HkkoukRed fp=.k djrh gSA yksdlaxhr dh jpuk,¡ ljy] le/kqj vkSj vkMEcjghu gksrh gSaA dfy"B ,oa dBksj 'kCnksa rFkk Hkkoksa dk buesa vHkko jgrk gSA lkekU; :Ik ls yksd xhrksa dh Hkk"kk ds ek/;e ls vfHkO;Dr izlaxks ds vUrZxr nSfud dk;ksZa dk mRlkgiw.kZ o.kZ] mRloksa dk o.kZu] ohj ;kS)kvksa dh xkFkkvksa dk o.kZu] nsoh&nsorkvksa dh efgek dk o.kZu] ns’k&isze ,oa ekuo tkfr esa ikjLikfjd Lusg Hkko dk o.kZu vR;kpkj dk fojks/k vkfn lEefyr gksrs gSaA Hkkoksa dh izcyrk] thou ds izfr vkd"kZ.k] papy Hkkoukvksa dh vfHkO;fDr] izse&fojg] g"kZ ,oa fookg vkfn dh vfHkO;fDr ds :Ik esa yksdxhrksa dh Hkk"kk] ikjLifjd izse] ln~Hkkouk] ohjrk] /khjrk ,oe~ /kkfeZd Hkkoukvksa ls ifjiw.kZ jgrh gSa vkSj ekuo ds lEiw.kZ thou&dky esa laLdkjksa vkfn ls lEcfU/kr izlaxksa dks Hkh vUrZfufgr dj ysrh gSA J`axkj] la;ksx fo;ksx vkfn Hkkoksa dks lkadsfrd

Hkk"kk esa vfHkO;fDr djus ds fy, pkrd] iihgk] dks;y rFkk Hkojk vkfn if{k;ksa dk vkJ; ysdj ekfeZd igyqvksa dk o.kZu Hkh yksdxhrksa dh Hkk"kk dk ,d vax gSA

Lokax ds xhrksa ;kfu lkaxhr dh Hkk"kk ds ek/;e ls mykguk nsuk] uSfrd ewY;ksa dh vksj ladsr djuk] lkekftd vkn’kksZa ds lEcU/k esa funsZ’k nsuk] ikjLikfjd lkekftd ewY;ksa] jhfr fjoktksa ,oe~ lkaLd`frd :ijs[kk dh vksj ladsr djus esa yksdxhrksa dh Hkk"kk dk fo’ks"k egRo gSA;|fi ;s xhr fdlh ,d ;k vusd O;fDr;ksa }kjk lkewfgd :Ik ls jps tkrs gSa ijUrq lkaxhrksa dh izokg dh n`f"V ls l`tudrkZ xkS.k gks tkrk gS vkSj xhr lkewfgd cu tkrk gS tks vf/kdrj ekuo&lekt dks ,d lw= esa fijksus esa lgk;d fl) gksrk gSA

v/;kfRed fo’okl rFkk fØ;kdyki Hkh lkaxhr dh fo’ks"krk gSA lkaxhr dgha u dgha izR;{k vFkok vizR;{k :Ik ls fdlh uk fdlh /kkfeZd fo’okl ls tqM+k jgrk gS ;k fgUnw jhfr fjoktksa dh ifjikVh ij gksrk gS

vr% ,slk Hkh dgk tk ldrk gS fd lkaxhr dh i`"BHkwfe esa vke turk ds /kkfeZd fo’okl fuokl djrs gSaA pkgs ^^[ksM+k iwtu** gks ; fookg xhrksa

esa **lqgkx xhr** gksA Lokaxksa esa Hkh dgha dgha bu jhfrfjoktksa dk fuokZg fd;k tkrk gSA

Lojksa dh Hkkafr 'kCnksa dk Hkh lkaxhrkas esa bruk lkekU;] e/kqj ,oe~ ekfeZd <ax ls iz;ksx gqvk gS fd dgha Hkh d`f=erk dk vkHkkl ugha gksrkA vyadkjksa rFkk eqgkojksa ds vuko’;d cks> ls ynh gqbZ Hkk"kk lkaxhrksa esa ugha feyrhA

LoPNUn Hkkouk vkSj mldh LoPNUn vfHkO;fDr yksdlaxhr ds y{k.k gSaA bl dFku dh lPpkbZ yksdxhrksa dks lqudj Lor% Li"V gks tkrh gSA blesa 'kCn tky ugha jgrk vkSj 'kCnksa rFk Lojksa ds p;u esa udyhiu u gksdj ,d lgtrk O;kIr jgrh gSA ftlesa nSfud tu&thou ds dM+os&ehBs vuqHko of.kZr gksrs gSa y; ,oe~ rky yksdlaxhr dk vfoHkkT; vax gSA ftldk laj{k.k vkSj lao/kZu yksdlaxhr ds lkFk gh gksrk gSA

y; dh fofo/krk dh n`f"V ls gh vusd Nanks ,oe~ inksa dk vfoHkkZo gqvkA vkSj y; ds fof’k"V foHkktuksa dks rky dk uke fn;k x;kA yksdlaxhr esa y; ds lw{efofo/k iz;ksxksa dh vis{kk y; dh ,d:Ikrk ij vf/kd cy fn;k tkrk gSA ftlesa ek=kvksa dk fdUgh ,d ;k nks lw=ksa dk fuekZ.k fo’ks"k egRo

j[krk gSA dgjok] nknjk] pkpj ;k :Ikd vkfn de ek=kvksa dh NksVh&NksVh ljy rkyksa dk iz;ksx gh yksdlaxhr esa fd;k tkrk gSA

dfBu rkyksa dk yksdlaxhr esa fo’ks"k egRo ugha gSA y; vkSj rkyksa ds vk/kkj ij gh yksdlaxhr esa yksdNUnksa dk fuekZ.k gqvk gSA ;gha }an dk rkRi;Z lkfgfR;d Nan u gksdj y; ds vk/kkj ij fd;s x;s 'kCnksa ds lek;kstu ls gSA D;ksafd lkfgfR;d dfo;ksa dh Hkkafr yksdxk;d Hkk"kkvksa ij ;k v{kjksa ds j[k&j[kko ij vf/kd /;ku ugha nsrs cfYd y; ds vuqlkj xhr ds 'kCnksa dks [khaprku dj vksgks] gs fj vkfn fujFkZd v{kjksa dk iz;ksx djds jatdrk iw.kZ <ax ls viuk dke pyk ysrs gSaA ;|fi yksdxhrksa esa :id] dgjok] rhurky] pkpj >irky vkfn vusd rkyksa dk iz;ksx gksrk gS] vkSj dgha ,d gh xhr esa nks rFkk rhu rkyksa dk iz;ksx dj fy;k tkrk gSA ijUrq yksdxk;dksa dks bu rkyksa dh 'kkL=h;rk ls dksbZ lEcU/k ugha gksrkA vfirq og bu iz;ksxksa dks fof’k"V yksdNan ds :Ik esa gh tkurs gSaA vkSj bu NUnksa dks ;g dksbZ fof’k"V uke tSls &Qkx] gksyh] /kekj] >wej] ckjgeklk vkfn ukeksa ls igpkurs gSaA

lkaxhr esa y; dk iz;ksx LokHkkfod vfHkO;fDr gS D;ksafd yksdlaxhrrK uk rks laxhr’kkL= ds Kkrk gksrs gSa vkSj u gh mUgsa y; vkSj

rky ds oSKkfud iz;ksxksa vFkok muds eukSoSKkfud izHkkoksa ds fo"k; esa dksbZ Kku gksrk gSA ysfdu fQj Hkh izlax vkSj Hkko ds vuqdwy mYykliw.kZ yksdxhrksa dh xfr papy vkSj nzqr y; ls ;qDr d:.k ,oe~ fo;ksxiw.kZ Hkkoksa dh vfHkO;fDr djus okys lkaxhrksa dh y; LokHkkfod :Ik ls /kheh gks tkrh gSA

1-1 gfj;k.kk dh yksdxk;u ijEijk

gfj;k.kk dh yksdxk;u ijEijk vR;ar le`) gSA tks mldh >werh &xkrh laLd`fr essa fufgr gsA ;gk¡ ds xhrksa esa eLrh rFkk vYgM+rk Li"V :Ik ls fn[kkbZ nsrh gSA gfj;k.kk ds yksxksa dh eLrh] lknxh] v/;kfRedrk] ijksidkj] vkfRF;&lsok] iapk;rhiu vkfn rRoksa dk lh/kk izHkko ;gk¡ ds yksxhrksa ij ns[kk tk ldrk gSA

gfj;k.koh yksdxhrksa ;kfu lkaxhrksa dks eq[; :Ik ls nks Hkkxksa esa ckaVk tk ldrk gSA

1- dFkkud xhr

2- eqDrd xhr

1- dFkkud xhr &

dFkkud xhrksa esa ,sfrgkfld rFkk dkYifud iq#"kksa ds pfj= dk o.kZu xs;kRed :Ik ls fd;k tkrk gSA ftUgsa vkYgk ,oe~ iokjk vkfn ukeksa ls vfHkfgr fd;k tk ldrk gSA dFkkud xhrksa dh rhu izeq[k iz.kkfy;ksa esa foHkDr fd;k tk ldrk gSA ;s yksdlaxhr dh fo/kk,¡ yksd & daB dh ekSf[kd ijEijk dh /kjksgj vkSj yksdekul dh fofo/k fpÙko`fÙk;ksa ds dks"kekus tkrs gSa tks bl izdkj ls gSa

1- gksyh jkx o uxkjk oknu

2- yksdjkx

3- lkax

1- gksyh jkx o uxkjk ukx

gksyh jkx esa gksyh ls lEcfU/kr xhr gksrs gsaA xs; gksus ds dkj.k yksdlaaxhr esa bUgsa jkx dh laKk nh xbZ gSA 'kkL=h; laxhr ds jkxksa ls budk vfHkizk;% ugha gksrkA gksyh jkx ds lkFk uxkjk oknu djuk gfj;k.kk izns’k dh cgqr egRoiw.kZ ifjikVh gSA QkYxqu ds eghus esa gksyh ioZ ls ,d eghus igys xzkeh.k Hkkstu vkfn ls fuiV dj xk¡o ds fdlh ,d pkSad ls /khjs&/khjs bDV~Bs gks tkrs gSa rc izeq[k xoS;s ds igq¡pus ij ^ckthxj*

¼gfj;k.koh ok|o`Un eas Hkkx ysus okys dykdkj½ uxkM+s ds b/kj&m/kj feVV ds pkSrjksa ij j[kh xbZ pkjikbZ ij cSB tkrs gSa vkSj xoS;s Hkxoku dks Lej.k djds dksbZ fdLlk mBk ysrs gSaA xoS;s nks&nks dh tksM+h esa Vksfy;ksa esa caV tkrs gSaA fl) xoS;s jkx dks NksVs&NksVs VqdM+ksa esa xkrs gSa rFkk nwljh Vksyh mls nksgjkrh gSA tgk¡ Vsd ds vfUre 'kCn dk mPpkj.k lekIr gksrk gSA ^uxkjph* uxkM+s ij Madk ekjrk gS vkSj uxkjk oknu izkjEHk gks tkrk gSA gksyh jkx xkus okyksa dks ^Mfy;kj* dgrs gSaA rFkk izR;sd ckthxj dks mlds lkt ds vk/kkj ij laKk nh tkrh gSA tSls uxkjk oknu djus okys dks ^uxkjph* ^>ka>h*] ^?kfM+;kyph*] ^<ksyph* vkfnA gksyh jkx esa J`axkj jl dh iz/kkurk gksrh gSA

2- yksdjkx %

gksyh jkx ds vfrfjDr dqN vU; ^yksdjkx* Hkh gSa tks gfj;k.kk esa izpfyr gSaA gfj;k.kk ds yksdjkx xkFkk&laxhr yksdfiz; Hkkoukvksa dk nkLrfod izfrfcEc gSA buds xkus dh rduhd 'kkL=h; jkxksa dh rjg tfVy ugha gSA blesa Nan ugha gSa ijUrq jl vo’; gSA yksdjkxksa esa Vsd dh vko`fr gksrh jgrh gSA yksdjkxksa dh ;g fo’ks"krk gksrh gS fd blesa yEch&yEch dFkkvksa dk xk;u fd;k tkrk gS vkSj ,d yksdjkx dh xkFkk dbZ&dbZ fnu rd

pyrh jgrh gSA yksdjkx dks xk;d rFkk jkxksa ds Hkkoksa dh n`f"V ls pkj Hkkxksa esa ckaVk tk ldrk gSA

v- tksxhjke ds vUrxZr ^iw.kZ Hkxr*] ^/kqzoHkxr* ^gjQwy tkV* dh yksdxkFkk,¡ vkrh gSaA

vk- HkkV rFkk Mwe ds vUrZxr ^fugkyns*] ^<ksykek:*] ^ujlh dk Hkkr* vkfn fdLls vkrs gSaA

b- isjuk ds vUrZxr jkxuh] nslh Bqaejh] BIik vkfn vkrs gSaA

bZ- Hkokuh ds vUrxZr ^yhykorh* dh xkFkk crkbZ xbZ gSA

1- **tksxhjke &**

;s jkx O;olk;h lkaxh xkrs gSaA tksxh izkr%dky >ksyh o nksrkjk ysdj Hkh[k ekaxus ?kj ls fudy tkrs gSaA ^gjQwy tkV tqykuh okyk* gfj;k.kk dk izfl) jkx ¼xhr½ gSA bldh xk;dh ^lkjaxh*] eathjs] <ksyd ij gksrh gS rFkk bls ;s xk;d feydj xkrs gSaA

2- HkkV rFkk Mwe fdLlk &

HkkV vkSj Mwe cM+s&cM+s jblksa vFkok jktkvksa] egkjktkvksa ds fdLls xkrs gSaA ;g Hkh tksfx;ksa dh rjg O;olk;h xoS;s gksrs gSaA dqN fo}kuksa us bls Lora= fo/kk dh laKk nh gSA dqN fo}kuksa us fdLlk jkx dks yksdjke dk gh vax ekuk gSA Mwe fdLlk jkxksa esa fdlh dFkk dk o.kZU fd;k tkrk gSA laxhr lkSan;Z dh n`f"V ls ^fugkyns*] ^<ksykek:*] ^xqXXkkjke* vkfn blds vUrZxr vkrs gSaA

¼d½ fugkyns &

;g gfj;k.kk dk izfl) yksdjkx gSA bldh xk;dh lkjaxh] <ksyd] eathjs ij gksrh gS rFkk bl jkx ds xk;u dk mi;qZDr le; Jko.k ekl gSA bls nks xk;d feydj xkrs gSaA bl jkx dk dFkkud cM+k jkspd gksrk gSA

;g gfj;k.kk {ks= dk egkjkx gSA bldh iw.kZ xk;dh ds fy, dHkh&dHkh pkj eghus Hkh yx tkrs gSaA blesa J`axkj jl dh iz/kkurk gksrh gSA 'kCnksa dk p;u yksd&Hkk"kk esa gksrk gSA ftlls xzkeh.k turk bldk iw.kZ :Ik ls vkuUn ys ldsA

[k- <ksykek:&

^<ksykek:* fugkyns jkx dh rjg ,d fof’k"V jkx gSA jkx egkjktk <ksy vkSj egkjkuh ejoM+ dh dFkk ij j[kk x;k gSA bl jkx dk xk;u ^/kekj i)fr* ij fd;k tkrk gSA xk;d Loj LFkkiuk ds fy, vDlj ^nksrkjs* ;k ^lkjaxh* dk iz;ksx djrk gS rFkk rky] ØepØ ds fy, ^<ksyd* i`"B dh Hkwfe esa [kM+rky ;k fpeVk ctk;k tkrk gSA ^<ksy jkx* Hkko o vyadj.k dh n`f"V ls jktLFkkuh yksdlaxhr o czt ds yksdlaxhr dk vPNk lketL; gSA bldh xk;dh esa d:.kk o J`axkj jl cgqr gh vf/kd gksrk gSA dgha&dgha ij xk;u dh xfr rhoz gksrh gS rks dgha&dgha ij e/;e xfr o /khesa ukn esa ;g cgqr dksey o euksgj cu tkrk gSA

x- xqXxk jkx &

lar xqXxk ds pkfjf=d vk[;kuksa ds fcuk xqXxk gfj;k.kk ds yksdjkx vo’; gh v/kwjs jg tk;saxsA xqXxk dh iwtk gfj;k.kk dh leLr tkfr;ksa esa feyrh gSA xqXxk dh leLr dFkk ,d lafnX/k vkoj.k esa fNih gSA blesa ,sfrgkfld ,oa /kfeZd rRoksa dk vuks[kk lfEeJ.k feyrk gSA gfj;k.kk dh turk ^xqXxk* dks

dbZ ukeksa ls tkurh gSA dksbZ ^xq# xqXxk* dgrk gS rks dksbZ ^xqXxk ihj* vkSj dksbZ ^tkgj ihj* ds uke ls vius b"Vnso dks Lej.k djrk gSA xqXxk us vius thou esa vusd fnO;rkiw.kZ dk;Z fd;s FksA bUgha vkykSfdd d`R;ksa ds dkj.k ^xqXxk* dks fgUnw vkSj eqLyeku nksuksa gh /keksZ ds yksx ekurs gSaA eqlyeku mls ^xqxk&ihj* dgrs gSa tcfd fgUnw mls ^xqXxkohj* dgrs gSaA

xqXxk jkx cgqr gh lk/kkj.k yksdjkx gS vkSj xqXxkihj dh xkFkk gSA xqXxk uoeh ds fnu xqXxk ihj ds lEiznk;h ,d cgqr yEcs ck¡l ij jax&fcjaxs diM+s ck¡/k dj] ftls yksdHkk"kk esa xqXxk ihj dh NM+h dgrs gSaA <ksyd dh Fkki ij vkyki djrs gSaA xqXxk jkx dk dFkkud ,sfrgkfld o ikSjkf.kd lUnHkksZa ds tksM+&rksM+ ls cuk;k x;k gSA

?k- isjuk &

isjuk [kkukcnks'k xoS;s gSa] ;s gfj;k.kk izns'k esa vDlj ?kwers&fQjrs gSaA tgk¡ Hkh ;s Msjk Mkyrs gSa ogha jkr iM+us ij egfQy terh gSA iq#"k rFkk L=h jkxuh] nslh Bqejh] VIis] xt+y vkfn xkrs gSa rFkk ;qofr;k¡ ukprh gSaA vktdy gfj;k.kk esa O;olkf;d xoS;s /khjs&/khjs yqIr gksrs tk jgs gSaA tks

xoS;s gksrs gSaos vk;Z lekt] lukru /keZ tSlsh fdlh u fdlh lkekftd laLFkk ds lnL; gksrs gSaA tks vius laxhr ds }kjk vius fl)kUrksa dk izpkj&izlkj djrs gSaA

M- & Hkokuh &

blds vUrZxr yhykorh dh xkFkk dk fooj.k feyrk gSA

3- lkax laxhr ¼lkaxhr½ &

lkax ;k Lokax dks gfj;k.kk dk izknsf’kd ukV~; dgk tk ldrk gSA Lokax dk lkekU; vFkZ fdlh os’kHkw"kk ;k Hkk"kk vkfn dk vuqdj.k djuk gSA lEHkor% Lokax 'kCn dks gh yksdHkk"kk esa lakx dgk x;k gS] ftlesa fdlh fof’k"V dFkk esa fufgr ik=ksa dks mlh #i esa n’kkZus dh ps"Bk djrs gq, vfHku;] okn&lEokn ,oe~ xhr] ok| vkSj u`R; dk vkJ; ysdj u`R;&ukfVdk ds #i esa lEiUu fd;k tkrk gSA laxhr dk vkJ; fy;s tkus ds dkj.k gh lEHkor% ^lkax* dks lkaxhr dgk tkrk gSA ijUrq lk/kkj.k :Ik ls vfHku; vuqdj.k gh iz/kkurk gksus ds dkj.k laxhr dh vis{kk ^Lokax* ;k ^lkax* 'kCn gh vf/kd yksdfiz; gSaA dqN fo}kuksa ds vuqlkj lkax ds mÙkj e/;dky esa e/; Hkkjr essa izpfyr yksd’kSyh dk [;ky jktLFkku esa izpfyr rqjkZ] dyxh] ekyok esa

izpfyr eap] c`t {ks= esa izpfyr Lokax vkfn yksdukV~; xkus ekus tk ldrs gSaA

^ukSVadh lkax dk gh i;kZ; gSA tks i'pkrorhZ le; esa lkax ds gh ,d Lora= izdkj ds #i esa izpfyr gks x;kA ^ukSVadh* esa dsoy izsexkFkkvksa ls ;qDr J`axkfjd izlaxks dh xkFkkvksa dks gh egRo fn;k x;k tcfd lkax esa ,sfrgkfld ohj&xkFkkvksa] lkekftd izlaxksa ,oe~ J`axkfjd izlaxksa vkfn dks lHkh izdkj dh xkFkkvksa dks yksdukV~; ds :Ik esa iznf’kZr djus dh ps"Bk dh xbZA

gfj;k.kk izkUr Lora= izns’k ds :Ik esa 1966 ls igpkuk tkrk gSA ijUrq fof’k"B HkwHkkx dh laLd`fr ds :Ik esa ;g vR;ar izkphu gSA vr% gfj;k.kk ls lkax dh ijEijk dks yxHkx <kbZ lkS lky iqjkuk ekudj ^fd’ku yky HkkV* dks ¼1730 ls iwoZ½ lkax dk izFke iz.ksrk vFkok lkaxh ekuk tkrk gSA rRi’pkr~ nhipUn] gjnsok] y[ehpUn] ekaxsjke vkfn izeq[k lkafx;ksa us bl yksd ijEijk dks vkxs c<+kus esa fo’ks"k ;ksxnku fn;kA

lkaxhr dh mRifÙk ds fo"k; esa ,slk ekuk tkrk gS fd lkax ds mn~Hko ls iwoZ lekt ds lEiUu O;fDr fof’k"V ij euksjatu ds fy, uDdkyksa vkSj

os’;kvksa dks vkefU=r djrs FksA uDdky Hkkafr&Hkkafr dh udysa cukdj vkefU=r n’kZdksa dks euksjatu djrs Fks tcfd os’;k,¡ vius u`R; rFkk eqtjs ls tulewg dk eu eksg ysrh FkhA og nksuksa gh Jsf.k;k¡ lekt esa ghu Hkkouk ls ns[kh tkrh FkhA ;g nksuksa gh Jsf.k;k¡ lekt esa ghu Hkkouk ls ns[kh tkrh FkhA ijUrq vkfFkZd :Ik ls lEiUu O;fDr fookg vkfn voljksa ij budks cqykdj vius vfrfFk;ksa dk euksjatu djus esa viuh viuh izfr"Bk ekurs FksA /khjs&/khjs os’;kvksa us gh vius u`R; ds chp udy] ukVdh;rk vkSj vfHku; vkfn dks lekfo"V djuk vkjEHk dj fn; vFkok uDdkyksa us urZdh dk :Ik /kkj.k djds yksxksa dk euksjatu djus ds iz;Ru fd;sA dkyØe esa ;g iz;Ru gh /khjs&/khjs lkax ds :Ik esa ifjofrZr gks x;kA D;ksafd ySyk &etuw vkfn J`axkfjd dFkkvksa dks u`R;] laxhr vkSj vfHku; ;qDr izn’kZu iq#"kksa }kjk L=h os’kHkw"kk esa lEiUu fd;k tkus yxkA ,slh fLFkfr eas fd’kuyky HkkV us gh fL=;ksa ds LFkku ij iq#"kksa }kjk lkax ijEijk vkjEHk dhA ftlesa ukV~;] u`R;] xhr vkfn ds lkFk&lkFk vusd ok|ksa dk iz;ksx rFkk okn&lEokn vkfn dk iz;ksx fufgr FkkA

lkaxhr ijEijk ds fofHkUu i{k bl izdkj ls gSa

1- eap 2- xwxk /keksM+k 3- e’kkyph 4- dFkkud 5- ik= 6 dFkksidFku 7- u`R; 8- lkt vkSj lkftUns 9- Nun

1- eap

Lkkax dk ^eap* vkMEcjghu o lh/kk&lk/kk [kqys LFkku ij gksrk gSA eap ij fdlh insZ dh O;oLFkk ugha gksrh] [kqys eap ij gh ik= vfHku; djrs gSa vkSj vko’drk gksus ij gqDdk Hkh ih ysrs gSaA blh izdkj lkftUns ogha ,d vksj ok|ksa dks feykrs gSa vFkok dqN vfHkusrk dHkh eap ds ,d vksj vkdj xkus yxrs gSa dHkh eap ds chp esa vkdj viuk vfHku; dk dk;Z lEiUu djrs gSaA

-2- xwxk /keksM+k

Lkakx ds izkjEHk gksus ls iwoZ xwxk /keksM+k ukpus dh ijEijk vkjEHk esa FkhA dkxt vkSj ck¡l dh [kifp;ksa ls cus jax&fcjaxs ?kksM+s ds chp esa [kM+k gksdj bl izdkj u`R; fd;k tkrk gS fd tSls dksbZ lokj ?kksM+s ij lokjh dj jgk gksA xwxk ds lkFk ctrs <ksy dh vkokt lqudj n’kZd ,df=r gksus yxrs FksA vk/kqfud dky esa ;g ijEijk izk;% yqIr gks pqdh gSA

3- e’kkyph &

lkax ds izkjafEed dky esa izdk’k dk mfpr izcU/k u gksus ds dkj.k ^e’kkyksa* ls dke fy;k tkrk FkkA ,d O;fDr e’kky gkFk esa ysdj vkSj nwljs gkFk esa rsy ls Hkjh dqIih ysdj eap ij mifLFkfr jgrk Fkk vkSj ik=ksa ds vfHku; ds vuqlkj muds gkFk&ikĮo] vax&lapkyu rFkk eq[kkd`fr ,oe~ vfHku; dks Li"V :Ik ls iznf’kZr djus ds fy, e’kky dks ysdj vko’;drk vuqlkj eap ij bl izdkj ?kwerk Fkk fd ik=ksa ds vfHku; esa fdlh izdkj dk fo?u u iM+sA vk/kqfud dky esa vf/kdka’kr% izdk’k dh lEiw.kZ O;oLFkk gks tkus ds dkj.k ^e’kkyph* dh fo’ks"k vko’;drk ugha jghA

4- dFkkud&

lkaxhrksa esa ^dFkkud* ds fy, dksbZ fof’k"V fu;e ugha gSA ;g ^dFkkud* ,sfrgkfld rFkk ikSjkf.kd tSls ^vej flag jkBkSj] jktk gjh’kpUnz] lrh vuqlw;k] nzkSinh&phj gj.k vkSj d`".k lqnkek dh dFkk ls lEcfU/kr gks ldrk gSA dbZ ckj dkYifud dFkkudksa ds :Ik esa 'kkgh& ydM+gkjk] jaxhyh & js’kek vkfn :Ik Hkh gks ldrs gSaA

HkfDrijd dFkkudksa ds vUrZxr ehjkckbZ] /kqzoHkDr] HkDr izgykn] lR;oku&lkfo=h] xqXxk ihj vkfn dh dFkk,¡ Hkh yh tkrh gSA vr% lkaxhrksa

ds fy, dFkkud ds fo"k; dks fdlh ,d fo’ks"k fu;e esa ugha cka/kk tk ldrkA fookg] ej.k&tUe vkfn ds xhrksa dks Hkh lkaxhr gh dgk tk,xkA vk/kqfud dky esa ,sfrgkfld o ikSjkf.kd dFkkvksa dh vis{kk HkfDrijd dkYifud vFkok J`axkfjd yksd&dFkkvksa dk iz;ksx vf/kd fd;k tkrk gSA ijUrq ikfjokfjd vk;kstuska esa gh xhr NsM+NkM+] Lokxr ;k eLrh ds fy, xk, tkrs gSaA

5- ik= &

iwjs dFkkud dks iznf’kZr ds fy, pkj ;k ik¡p ik= gh gksrs gSa ftlesa nks ik= L=h os’k/kkjh vkSj nks ;k rhu iq#"k os"k/kkjh vkSj vko’;drkuqlkj nks ;k rhu lgk;d ik=ksa dk Hkh vfHku; djrk gSA

6- dFkksidFku

lkax esa ^okrkZ* vkSj ^laxhrkRed dFkksidFku* ds izk;% nks eq[; vax gksrs gSa okrkZ izk;% ok+++| esa gksrh gS tcfd laxhrkRed dFkksidFku i| ds :Ik esa fd;k tkrk gSA dHkh&dHkh lkaxh }kjk dkO;kRed :Ik ls dqN iafDr;ksa dk mPpkj.k djrs gq, dFkkud ds izlax dh iw.kZrk iznku djus dh ps"Bk dh tkrh gS vFkok lkaxhrkRed :Ik esa okn&lEokn dk iz;ksx djrs gq, ik= dFkk dks euksjatd :Ik iznku djrs gSA

7- u`R; &

L=h os’k/kkjh ik=ksa }kjk eap ij u`R; fd;k tkrk gSA ysfdu ;g u`R; dsoy dFkkud dks Li"V djus ;k mls jatdrk iznku djus ek= ds fy, gh fd;k tkrk gSA eap ds pkjksa vkSj n’kZdksa ds cSBus dh O;oLFkk gksus ds dkj.k dykdkjksa dks eap ij pkjksa vkSj ?kwe&?kwe dj vfHku; djuk gksrk gSA vr% u`R; dh lgk;rk ls ,d vkSj ls nwljh vkSj tkus rFkk izLrqr Hkko&Hkfxekvksa ls jkspdrk ykus esa u`R; vR;ar lgk;d fl) gksrk gSA lkax esa izLrqr u`R; esa dksey vfHkO;fDr i| lapkyu vFkok gLr eqnzkvksa ds iz;ksx dk dksbZ fo’ks"k Lo:Ik ugha gksrk gSA cfYd LFkku&LFkku ij ?kqa?k: dh >adkj] dej dk eVdkuk vFkok ?kwe&?kwe dj pDdj ysuk vkfn lkax esa izLrqr u`R; dk fo’ks"k vax gSaA

8- lkt vkSj lkftUns &

lkax ds xhrksa esa vf/kdrj lkjaxh rFkk <ksy dk gh iz;ksx fd;k tkrk gSA dHkh&dHkh uxkM+k] <iyh vkSj [katjh dk iz;ksx Hkh fd;k tkrk gSA vk/kqfud le; esa lkjaxh ds LFkku ij gkjeksfu;e dk iz;ksx fd;k tkus yxk gSA bu ok|ksa dk iz;ksx dsoy lkax esa jatdrk ykus] ik= }kjk xk;s x;s iFk dh Vsd

mBkus rFkk dFkkud ds egRoiw.kZ i{kksa dks mtkxj djus ds fy, fof’k"V LFkku ij tksjnkj <ax ls ok|ksa dks ctkdj n’kZdksa dk /;ku vkd`"V djus ds fy;k fd;k tkrk gSA

9- NUn &

lkax dk Nan xhfr Nan gSA ;g Nan lkfgR; ds NUn 'kkL=ksa ls lEcfU/kr NUnksa ls fHkUu gSA fdlh le; Nun esa ^pkSckyk* iz/kku Fkk] ckn esa dkfQ;k iz/kku Nun gqvk vkSj mlds ckn jkxuh dks LFkku feykA lkax ds lkFk xk;s tkus okys fdlh Hkh xhr dks jkfxuh ds uke ls tkuk tkus yxkA jkxfu;ksa dks Hkh lkaxhr dgk x;kA

1 jkxuh &

jkxuh dk 'kkfCnd vFkZ gSa lkax esa xk;k tkus okyk pkj ;k NA% dyh dk xkuk vFkok gfj;k.koh Hkk"kk esa xk;s tkus okys fdlh Hkh izpfyr Hkk"kk esa xhr dks jkxuh dgk tkrk gSA

jkxuh 'kCn 'kkL=h; jkx&jkxfu;ksa ls fHkUu gSA 'kkL=h; laxhr dh Hkk"kk esa tks 'kCn feyrk gS oks 'kCn jkfxuh gS vkSj ftl 'kCn dh ppkZ dh tk jgh gS og jkfxuh gSA

jkxuh dk ewy vk/kkj lkax gSA lkax ds vUrZxr xk;h tkus okyh xs; jpuk jkxuh lkaxhr Hkh dgykrh gSA lkax ds Nan ds i'pkr~ gh jkxuh dks LFkku izkIr gqvk gSA gfj;k.kk ds ia0 y[ehpUn }kjk jfpr jkxfu;kj vf/kdka'kr% J`axkfjd ,oe~ egRoiw.kZ gSaA mnkgj.k ds :Ik esa lkax ukSVadh dh J`axkfjd jkxuh dh iafDr;kj bl izdkj ls gSa

vk;k Fkk eSa Bgj.k [kkÙkj

ek.kl ekj.kh oSj.k [kkÙkj

ukSVadh ds igj.k [kkÙkj

gkj c.;k cM+s tksj dkAA

lkaxhr gfj;k.kk dh viuh fujkyh foHkwfr gSA blds orZeku :Ik dk vf/kdka'kr Js; ia0 y[ehpUn dks tkrk gSA xk, tkus okys Nan lEHkor% lkax dk Lora= iz;ksx loZizFke i0 y[ehpUn }kjk fd;k x;k gksxkA blfy, y[ehpUn ds fnO; daB dks gh lkaxhr dk tUenkrk ekuk x;kA jkxuh ds uke ds lkFk gh y[ehpUn dh Le`fr lkeus vk tkrh gSA lqUnj&lqUnj vyadkj mudh ok.kh ls fudysA miek ds fopkj ls ia0 y[;ehpUn dks gfj;k.kk dk ^dkfynkl(;k Shakespeare Hkh dgk tk, rks ys'k ek= Hkh vfr';ksfDr ugha gksxhA budh jpukvksa esa ge

dHkh okRly; dk] dHkh J`axkj dk] dHkh d:.kk dk vkSj dHkh vn~Hkwr jl dk vLoknu djrs gSaA

2- eqDrd laxhr &

lkaxhrksa dk /kjkry cM+k jax&fcjaxk rFkk thou dh djoVksa ls vkUnksfyr gSA bu xhrksa esa ekuo ân; dh izkd`fr Hkkouk fufgr gsA lkaxhrksa esa O;fDrxr izo`fr dh vis{kk lkewfgr izo`fr vf/kd O;kid gSA blh dkj.k lkaxhr vR;ar lkekU; xhr izrhr gksrs gSaA

lkaxhrksa dh ;gh fo’ks"krk mls Hkwr] orZeku rFkk Hkfo"; ds lkFk ,d dM+h ds :Ik esa tksM+rh gsA yksdxhrksa dh bu fo’ks"krkvksa ls ;qDr gfj;k.kk esa yksdxhrksa dk ljy ,oe~ O;ogkfjd oxhZdj.k fuEu :Ik ls fd;k tk ldrk gS &

1- laLdkj xhr 2- fnup;kZ lEcU/kh xhr 3- _rq lEcU/kh xhr] 4- ckgjekfl;k xhr] 5- ioksZRloksa ls lEcfU/kr xhr- 6- J`axkj jl ls iw.kZ fojg&feyu ds xhr] 7- ,sfrgkfld rFkk ohj jl ls lEcfU/kr xhr] 8- v/;kfRed xhr] 9- d`f"k lEcU/kh xhr] 10- lSfud ijEijk ds xhrA

1- laLdkj ds xhr &

'kkL=ksa esa lksyg laLdkjksa dk o.kZu feyrk gSA fgUnw 'kkL= ds vuqlkj ls lkSyg laLdkj ekuo ds iw.kZ ,oe~ lgh &lgh fodkl ds fy, vfr vko’;d ekus tkrs gSaA dksbZ le; Fkk tc Hkkjro"kZ esa bu lHkh laLdkjksa dk iw.kZr;k fuokZg gksrk Fkk ijUrq vktdy bu laLdkjksa esa rhu laLdkj] tUe] fookg vkSj e`R;q fo’ks"k izpfyr gSaA ifjfLFkfro’k dbZ laLdkj yqIr gks x;s gSaA vktdy dbZ laLdkjksa dk egRo ?kV x;k gsA vr% tks xhr miyC/k gksrs gSa og rhu laLdkjksa tUe] fookg ,oe~ e`R;q ij xk;s tkus okys gSaA ftudk ;gk¡ o.kZu fd;k tk jgk gSA

d- tUe lEcU/kh xhr &

1- iq=h tUe ls lEcfU/kr xhr &

gfj;k.kk eas iq=h tUe dks 'kqHk ugha le>k tkrkA gfj;k.kk esa iq=h tUe ij Bsdjk QksM+us dh jLe gksrh gSA tcfd iq= tUe ij dkals dh Fkkyh ctkbZ tkrh gSA iq=&iq=h dk ;g vUrj yksdxhrksa esa rks cgqr eq[kfjr gqvk gSA yM+dk tgk¡ izdk’k dk izrhd gS ogha dU;k dks firk ds lhus ij Hkkj&Lo:Ik iRFkj le>k x;k gSA iq=h tUe ij 'kksd Nk tkrk gSA iq= rFkk iq=h ds vUrj dks blh xhr ds ek/;e ls Li"V :Ik ls ns[kk tk ldrk gS

ftl fnu ^ykMks* rsjk tUe gqvk Fkk

gksbZ , ctj dh jkr

bl izdkj ge ns[krs gSa fd yM+dk gksrk gS rks g"kksZYyl rFkk eaxykpkj dk dksbZ fBdkuk ugha jgrkA tcfd yM+dh ds tUe ij lcdks nq%[k gksrk gSA

2- iq= tUe ls lEcfU/kr xhr &

tUe ds xhrksa esa gesa iq= tUe ds xhr gh vf/kd feyrs gsaA iq= & tUe dks 'kqHk ekuk tkrk gSA dkals dh Fkkyh ctkbZ tkrh gsA xhr bl izdkj gSa &

Egkjs vkax.k ckT;k ckft;ksa tks Egkjk jkt]

eSa rS fur mB fyIik vkax.kks]

fdl ekSLlja fyIik fiNyh iNhr]

ca/kok Egsa lq.k;ksa th Egkjk] jktAA

[k- fookg lEcU/kh xhr &

nks izkf.k;ksa dks lnk ds fy, ,d nwljs dk cuk nsus okys fookg laLdkj ls bu xhrksa ds lqfoLr`r {ks= esa dU;k &fookg ds vk;kstu dh fpUrk] ;ksX; oj dh

[kkst] nwYgk&nqYgu dh 'kksHkk] Hkkr] jrtxk] mcVu] ?kksM+h] Qsjs] dU;k&fonkbZ] o/kw&vkxeu] daxuk] tqvk] ca/kk;s rFkk lhaBus lHkh dqN lek x, gSaA

bu xhrksa esa vf/kdrj galh&[kq'kh dk okrkoj.k >ydrk gS ijUrq dU;k dh fonkbZ dk n`'; d:.kk ls vksr&izksr gks mBrk gSA fookg ds xhrksa ds vUrxZr yksdxhr bl izdkj ls gSaA

4- ?kqM+p<+h

;g oji{k dk cgqr gh egRoiw.kZ xhr gSA gfj;k.kk esa bls ?kqM+p<+h dgrs gSaA loZizFke ?kksM+h dk ifjp; djk;k tkrk gS fd ;s ?kksM+h dgkj ls eaxokbZ xbZ gSA bldh D;k dher gS vkSj blds lkFk gh tksM+h ds ^lokj* dh Nfo dh Hkh ppkZ gksrh gS ;g xhr fuEu izdkj ls gS &

papy ?kksM+h pkanuh] eFkqjk rS vkbZ]

ys esjs nknk eksy ys] rsjh gks; cM+kbZ

ys esjs rkÅ eksy eys] rsjh gks; cM+kbZ

ys esjs ckcy eksy ys] rsjh gks; cM+kbZA

¼lHkh fj’rsnkjksa ds uke fy, tkrs gSa½

5- lhaBus &

;g fookg ds xhrksa dk vR;ar jkspd Hkkx gSA lkjh ckjkr tc cUuk lfgr L=h lek ds lEeq[k gksrs gSa rks os ,d&nwljs dks pqu&pqudj pqVdh ysrh gSA ckjkrh gj rjg ds gksrs gsaA muds psgjs] 'kDy&lwjrkas ij vPNh&[kklh NhVkad’kh gksrh gSA bl izdkj ds xhr dk o.kZu bl izdkj ls gSa

geus cqyk;s lqFkjs&lqFkjs] eawMs & HkwaMs vk;s jh iglsjs]

geus cqyk;s ykEcs&ykEcs ukVs&ukVs vk;s gh iglsjsAA

6- Qsjs ds xhr &

gfj;k.kk dh gj cUuh :def.k gS vkSj mls d`".k lk oj pkfg,A ;g :def.k vius d`".k rqY; oj ds ikl cSBh gS vkSj Qsjs ysus okyh gS lHkh mldh lgsfy;kj pqVdh ysrh gS vkSj dgrh gS &

x<+ NksM+ :de.k ckgj vkbZ

pksjh rks NkbZ EgkjS lktukAA

Qsjs ds le; ,d vU; xhr ftleas xzkeh.k thou [kqydj lkeus vkrk gSA gfj;k.kk esa eksB] ewax] Tokj] cktjk vkfn dh Qlysa gksrh gSaA vU; Qlyksa dks vkjke ls dkVk tk ldrk gSA ijUrq eksB dh Qly dVus esa cgqr tYnh dh tkrh gS vkSj Qsjs dh osnh ij pyrh gqbZ yM+dh ls etkd fd;k tkrk gSA fd Qsjs ysrs le; eksB dh rjg 'kh?kzrk er djukA

gksyS &gkSysa pky ykMks Egkjh] gkalSxh lgsyfM+;kj

eksB lk er ikM+S ykMks Egkjh] jkt ?k.kksfM+;kaAA

blh izdkj /khjs&/khjs Qsjs 'kq: gks tkrs gSa vkSj Qsjksa ds xhr 'kq: gks tkrs gSaA

igyk Qsjk ys Egkjh ykMks]

nkns dh iksrfM+;kj]

nwtk------rhtk-----pkSFkk---------ikjpok----------NVokj-----

lkroka Qsjk ys Egkjh ykMks]

gqbZ ijk;sf.k;kaA

vFkkZr~ lkrosa Qsjs ds lkFk gh ykMks ijkbZ gks xbZ] cUus dh gks xbZ D;ksafd og rks Fkh gh ijk;k /kuA

1- **eaxyxhr &**

ik¡p irkls ikU;k dk fcM+yk

ys lS;n iS tkb;ks th]

ftl Mkyh Egkjk lS;n cSB;k]

ok Mkyh >qd tkb;ks thAA

2**- lqgkx xhr &**

gfj;k.kk esa lqgkx xhr dU;k i{k dh fL=;k¡ xkrh gSaA lqgkx xhrksa esa dU;k i{k ds lqgkx] eaxy; Hkkoh thou ds lkFk&lkFk mlds fy, ,s'o;Z dh dkeuk dh tkrh gSA

lqgkx xhr bl izdkj ls gS &

lqgkx ekax.k cuM+h] vi.kS nknk ds xbZ]

nknk ns ns uk lqgkx eSa rS dn dh [kM+h]

, lqgkx nsxk jke tksM+h vtc cuh]

rsjs Hkwjs&Hkwjs gkFk gjh pwfM+;kj lthAA

3- Hkkr ds xhr &

fookg ds volj ij ekek Hkkr Hkjrs gSa vkSj bl le; cgu [kq’kh ls Qwyh ugha lekrhA bl le; ij xk;k tkus okyk ,d yksdxhr bl izdkj ls gS

xfy;kjk ldsj vkbZ,s] dS Hkkrh vkoSaxs]

esjk <waxk QM+dS ,s] dS nke.k Y;koSaxsAA

4- **fonkbZ ds xhr &**

dU;k dh fonkbZ ds xhr vR;ar d:.kkiw.kZ gksrs gSaA brus fnuksa rd vius fir` x`g esa jgdj vkt vius ifjtuksa dks NksM+dj u;k lalkj clkus] u;s yksxksa esa tk jgh gSA dU;k dh fonkbZ ij xk;k tkus okyk ,d xhr bl izdkj gSA

ys js ckcqy vkiuk] eSa pkyh gwa ltu ds nsl js

Hkkb;ka uS fn, egy nqegys gesa fn;k ijnsl js

dkgs dks C;kgh fonsl js yD[kh ckcqy esjsA

x- e`R;q lEcU/kh xhr &

gfj;k.kk ds lh/ks&lkns yksx thou esa vf/kd tfVyrkvksa ,oe~ deZdk.Mksa ij rks fo’okl ugha djrs fdUrq dqN yksdfo’oklksa ,oe~ ekU;rkvksa dh eukSrh djrs gq, bl laLdkj dk fuokZg vo’; djrs gSaA e`R;q ds rsjg fnu rd 'kksd euk;k tkrk gSA eqagdk.k ¼'kksd izdV djus½ ij vkus okyh vkSjrsa izk;% ckj&ckj ;g dgrh gSa &

gk; & gk; cuM+k isPph okyk

gk; & gk; cuM+k isPph okykAA

'kksdkdqy ifjokj dh fo/kok dh n’kk vR;ar n;uh; gksrh gSA vklqvkasa ds lkFk eq[k ls fudyus okyh gwd fdruh ân; fonkjd gksrh gSA blds dg ikuk cgqr dfBu gSA

gk;&gk; esjk f[koS;k

D;k gksuh D;k gksb;ka gk;&gk; esjk ljrkt gk;

unh vkbZ igkM+ dh p<+ xbZ xeu xEHkhjA

gk;

2- fnup;kZ lEcU/kh xhr &

fnup;kZ ds bu xhrksa dk cM+k egRo gSA gfj;k.kk esa vkSjrsa vius jkstejkZ ds dke djrs gq, bu xhrksa dks xkrh jgrh gSaA

d- pj[kk dkrus ds xhr &

fnup;kZ ds xhrksa esa pj[ks ds xhrksa dk viuk ,d fo’ks"k egRo gSA fpUrk ,oe~ O;o/kku dh ppkZdks n’kkZrk gS ;g xhr &

rerS pkys ukSdjh Egkjk dkSu goky]

;ks fcM+yk esjs eu cfl;k

fcM+yk ds djSjh xkSjh fcM+ys Y;koka nks pkj

;ks fcM+yk esjs-----

[**k- pDdh pykrs gq, xk;s tkus okys xhr &**

gfj;k.kk esa vkSjrs vkt Hkh pDdh ihlrh gSaA ;g dfBu dk;Z mUgssa jkst losjs djuk iM+rk gSA pDdh pykrs gq, tks xhr os xkrh gSa oks bl izdkj ls gS

Åij ls eSa rUus mrj yh] vkds pDdh >ksnbZ ,]

Hkkjh ls eUuS gYdh dj yh pwu dqN eksVk vk;k ,]

Hkhrj ls esjh lklM+ cksyh] lq.k ys cgqvM+ esjh ,]

esjk csVk jktdaoj lS] eksVk er u ihl ,sAA

x- iu?kV ds xhr &

izR;sd ?kj ds dk;Z djus dk Js; vkSjrksa dks gh tkrk gSA iu?kV dk gfj;k.kk esa cgqr egRo gSA ubZ &uosyh nqYgu dks ty Hkjus dk dke cM+k dfBu yxrk gSA

esjh uktqd uktqd uje dykbZ

ifu;kj dSls ykÅ¡A

tc ,d ubZ uosyh nqYgu ihry dh Vksd.kh flj ij fy, ty Hkjus tkrh gSa rks iwjk J`axkj djds pyrh gSA bl xhr esa ubZ &uosyh dh ^lkt&lTtk* rFkk %^lkl&uun* dh rdjkj fn[kkbZ nsrh gSA

Vksd.kh ihry dh jS jksgrd rS eksy eaxkbZ

bZ<ok tkyh dk eUuS ml iS nks?kM+ ttkbZ]

NSy rjokb;ks gks rsjh gwj yjtanh vkbZ]

?kj uS er vkb,] rsjk lwcs fla?k HkkbZA

?k- ikyus ds xhr &

ekj tc Lusg ls FkiFkikrs gq, e/kqj Loj ls yksjh xkrh gS rks fuafn;k jkuh >V ls vkdj cPps dh iydksa esa >wyus yxrh gSA yksjh dk Hkko bl xhr esa izdV gqvk gSA

yYyk yYyk yksjh js]

nw/k dh Hkjh dVksjh js

yYyk dh ekj ik.kh uS tk]

yYyk nw/k eykbZ [kk]

pank ekek vk;sk] nw/k eykbZ yk,xkAA

¼;s xhr ;qfuolZy xhr izrhr gskrk gSA½

3- _rq lEcU/kh xhr &

d- lkou ds xhr &

[k- QkYxqu ds xhr &

o"kkZ _rq ds dkys &dkys es?kksa dh xM+xM+kgV lkouh Qly dh gfj;kyh yksd&thou esa ,d uo LQwrhZ iSnk djrh gSA lkou ekl dh ekndrk] u`R;eXu e;wj] unh&ukyksa esa es<+dksa dh VjZ&VjZ] iihgs dh ihgw&ihgw] ou&miou dh fujky NVk eu dks eksg ysrh gSA leLr izd`fr g"kksZYykl dh jaxHkwfe lh izrhr gksrh gSA xk¡o esa ckgj o`{kksa ij lcds lka>ys >wys iM+ tkrs gSaA lHkh efgyk,¡ ,oe~ eqX/k ckyk,¡ lqUnj&lqUnj oL=ksa ,oe~ vkHkw"k.kksa ls ltdj lkou ekl dks Hkh ekr nsuk pkgrh gSaA lgsfy;ksa ds >q.M ds >q.M dHkh bl ihax rks dHkh ml ihax ij eLrh ls xhr xkrs >wers gSa+ A +_rq izHkko ds dkj.k ân; esa mBus okyh gwd lqgkous ekSle esa vius fiz;re dh jkgksa esaa xhr cudj fcN tkrh gSA lkou ¼Jko.k½ la;ksx djkus okyk ekl ekuk tkrk gsA blh ekl esa ijnsl x;s ifr viuh fiz;rek ds ikl yksVdj vkrs gSaA cgusa vius HkkbZ;ksa ds ;gk¡ vkrh gSaA ekrk,¡ vius

iq=&iqf=;ksa ds chp vR;ar gkf"kZr gksrh gSaA oLrqr% lkou ds xhrksa esa la;ksx vkSj fo;ksx nksuks gh Hkko mHkjdj lkeus vkrs gSaA

lkou ds xhrksa esa lokZf/kd la[;k ihgj ,oe~ lkljs dh rqyuk ds xhrksa dh gSA gfj;k.kk d`f"k iz/kku izns’k gSA d`f"k dk;Z dh vf/kdrk ds dkj.k ;gk¡ dh cgw&csfV;ksa dks Hkh dke vf/kd djuk iMrk gSA dHkh&dHkh rks dk;Z dh vf/kdrk bl eaxye; ,oe~ g"kksZYykl ds eghus esa ck/kk gks tkrh gSA fo’ks"kdj lkljs esa rks ;qok&eqX/kk dks lkou ds eYgkj xkus ,oe~ >wYkk&>wyus dk vodk’k gh ugha feyrk] ysfdu ek¡ ds ikl tkdj yM+fd;ksa dks dqN Lora=rk feyrh gSA lkou ds >wyk&>wyus ds izLrko dks lkl Bqdjk nsrh gSA blh ckr ls f[kUu gksdj cgw vius ihgj tkus dh bPNk O;Dr djrh gS fdUrq [ksrh dk dke chp esa ck/kd cu tkrk gSA ;gh Hkko fuEu xhr izLrqr dj jgk gS &

vk;k jh lklM+ lke.k ekl]

lke.k ikl ihax Nykns jh ihys ikV dh

Egkjs rks cgqv.k] [ksrh dk dke]

[ksrh dk dke] tk;s Nykn~;ks vi.kS cki dS

vk;k jh----------

lke.k ekl esa gfj;k.kk dh fL=;ksa dk izeq[k R;kSgkj rht vkrk gSA rhu ds fnu pkjksa rjQ >wys gh >wys fn[kkbZ nsrs gSaA vLlh&vLlh xt ds ?kk?kjs igu dj mu >wyksa ij ckyk,¡ >wyrh gSaA Mkfy;ksa ds yjtus ;k VwVus dh fdlh dks dksbZ fpUrk ughaA bUgha Qwyksa ds fy, cgq,¡ viuh lkl dks js’ke dh Mksj rFkk pUnu dh iVM+h rS;kj djokus dk vuqjks/k djrh gSaA

rht ds R;kSgkj dh [kq’kh esa fL=;k¡ esagnh yxkrh gSaA pwfM+;k¡ igurh gSa] cu laoj dj vius :Ik ij bBykrh gSaA blh volj ij HkkbZ&cgu ds fy, vusd migkj ysdj mlds ?kj tkrk gSA cgu&HkkbZ ds vkus dk cgqr cslczh ls bartkj djrh gS tks bl xhr ds 'kCnkas ls Li"V >ydrk gSA

vk;k rhtk dk R;kSgkj

vkt esjk chjk] ekbZ vkoSxk

Fkke ihax ikVM+h BkY;ksA

vkSj jy ds lkjh xkY;ks

jh Fke xk Y;ks jkx eYgkj

vkt esjk---

[k- QkYxqu ds xhr

gfj;k.kk esa QkYxqu ekl dks xhrksa dk ekl Hkh dgk tkrk gSA bl ekl esa izd`fr ,oe~ izk.kh nksuksa ds eu esa thou esa fu[kkj vk tkrk gSA ,sls vuks[ks eLr okrkoj.k eas ;qofr;ksa ds iSjksa eas Lor% gh fFkjdu iSnk gks tkrh gSA muds iSjksa dh ik;ysa >ud mBrh gSA eu :ih oh.kk ds rkj >ad`r gks mBrs gSaA os >we&>we dj ukpus vkSj xkus yxrh gS&

Qkxq.k ds fnu pkj jh ltuh] Qkxq.k ds fnu pkj

e?k tkscu vk;k Qkxq.k esa

Qkxq.k Hkh vk;k tkscu esa

ftudk ckj u ikj

e/kqekl ds bl eghus esa ^gksyh* dk R;kSgkj vkrk gSA gfj;k.koha yksd&thou eas blls vf/kd [kq’kh ,oe~ vkUn dk volj 'kk;n gh dksbZ vkrk gksA Qkxqu ds xhrksa dk viuk ,d fo’ks"k egRo gSA blesa Jh d`".k dh

yhykvksa dk fp=.k fd;k tkrk gSA gksyh ds xhr eLrh dk izek.k gSaA ftls bl xhr ds ek/;e ls vuqHko fd;k tk ldrk gSA

mM+s gks xqyky jksyh gks jfl;k

dslj dLrwjh dh pepkbZ]

mM+s gks xqyky jksyh gh jfl;kAA

4- ckjgekfl;k xhr &

^ckjgekl* dk fo’ks"k o.kZu lkou ds xhrksa esa vkrk gSA bu xhrksa esa o"kZ Hkj ds ckjg eghuksa dh ppkZ gksrh gS vkSj iwjs o"kZ gksus okys nq%[kksa dk o.kZu gksrk gSA vr% bu xhrksa dk ukedj.k ^ckjgeklk* gSA blessa fojg tU; osnuk dk dFku jgrk gSA d:.k jl iz/kku ^ckjgeklk* fo’ks"kdj lkou ekl esa xk;k tkrk gSA fo;ksxkdqy jef.k;kj es?kkofy;ksa ds Loj esa Loj feykdj xhrksa dks xkrh gSa vkSj >wyrh gSaA ckjgeklk dh LokHkkfodrk] ljlrk ,oa ljyrk o.kZuh; gksrh gS &

fojg.kh ifr ds izoklh gksus ds dkj.k thou ds Hkko&Hkko dks iwjk djus esa vleFkZ gSA lksprh gS fd dk’k muds ifrnso ?kj esa gksrsA

psr evk] jh ekj esjh] yke.kh gksa]

cSlk[kh dslw jgh cSjh jax Hkj;k th]

tsB ev] jh ekj esjh dM+dsaxh ywa

lk<+ eva cjlS] jh ekj esjh jke th jhA

gfj;k.kk esa ,d vkSj izdkj dk ^ckjgekfl;k* fn[kkbZ iM+rk gSA ftlds Hkko ;g gS fd lHkh ekl lqgkous gksrs gSa] ;fn ?kj ij fiz;re gks &

psrl ekl lqgko.kka lqvkjs js lqvk

tS ?kj gksa ?kj ds yky

ys yke.kh djkorh lqvk jsA

mUgha ds lkFk ioZ & R;kSgkj eukus] d`f"k dk;Z djus] iwtk Luku vkfn djus esa vkuUn feyrk gSA vU;Fkk o"kZ Hkj dk fo;ksx vlg~; gSA

fojg.kh rksrs ¼lqvk½ ls dgh gS fd ckjg eghus lekIr gks fy, &

rksMwa ejksMwa rsjk ihatM_k

ty eSa nwaxh cgk;s rsjh lsok uk d:j lqvk jsA

ckjgeklk izk;% vk"kk<+ ekl ds o.kZu ls izkjEHk gksrk gSA ;g Hkh d`f"k lw= gSA ckjgeklk xhrksa esa ckjgekg ds nq[k&lq[k ds lkFk&lkFk d`"kd thou dh leLr rLohj f[kaph gSA gfj;k.kk /keZ &deZ dh Hkwfe gSA dke dh loZLo ekuus okys fdlku&etnwj ds thou dh Nki bu xhrksa esa Li"V ifjyf{kr gksrh gSA

5.ioksZRlokas ls lEcfU/kr xhr &

gfj;k.kk esa ioksZa ls lEcfU/kr xhr rht ls izkjEHk gksrs gSa

d- rht &

gfj;k.kk esa rht ds fnu efgyk,¡ vius gkFkksa ij esganh yxkrh gSaA jax&fcjaxh pwfM+;k¡ igurh gSaA u;s jaxfcjaxs oL= vkSj vkHkw"k.k igurh gSA rjg&rjg dh feBkbZ;k¡ cukbZ tkrh gSa vkSj lHkh efgyk,¡ rht ds fnu [kwc >wyk >wyrh gsaA >wys dk ,d xhr bl izdkj ls gS &

lke.k vk;k gS ek¡ esjh] eSa lq.k;k th]

gk¡&th dkS,] vkbZ gS uosyh rht]

iM+h , iatkSyh gfj;y ckx esa thA

[k- tUek"Veh &

Hkknizn eas d`".k tUek"Veh dk mRlo euk;k tkrk gSA efgyk,¡ bl iq.;kolj ij ozrksiokl j[krh gSA lRlax rFkk Hktu djrh gSa ckyd`".k dks ikyus esa >qyk;k tkrk gS vkSj efUnjksa esa pUnzksn; rd dhrZu pyrk gSA

ns[kks enu eksgu dh izhr] Hktu ij dSlk vVds

l[kh jh muds flj iS eksjeqdqV]

dkUuk eva dqaMy dSls ftedSA

x- xqXxk uoeh &

tUek"Veh ds vxys fnu ^xqXxk uoeh* dk esyk gfj;k.kk esa yxrk gSA xwXxk ,d ohj egkiq#"k Fks ftudh iq.; Le`fr esa ;g esyk vk;ksftr fd;k tkrk gSA xzkeksa esa <ksy ctrs gSaA eYy;q) ds naxy gksrs gSaA xwXxk dks xwXxkihj] tkgjihj] xq: xqXxk] ckxM+ okyk vkfn ukeksa ls Lej.k fd;k tkrk gSA yksd esa bls liZ dk nsork ekuk tkrk gSA blfy, xwXxk uoeh ds fnu ty esa nw/k Mkydj lkjs ?kj esa bl dkeuk ls fNM+dk tkrkgS fd ?kj esa liZ u fn[kkbZ nsA uoeh dh jkf= dks jrtxk gksrk gSA ftlesa xwXxk dh egkurk dk

o.kZu djus okys xhr xk, tkrs gSaA xwXxk ihj dks fgUnw] eqLkfye rhuksa gh iwtrs gSaA

gfj;k.kk ds vU; Hkkxkas esa fHkUu xhr xwXxk ds fo"k; esa miyC/k gSA

mnkgj.k Lo:Ik &

yhyk lk ?kksM+k] xksjk xkHk:

/kjrh esa x;k lek;]

vkjk.kk ,d ckj ?kj vk---

izR;sd o"kZ uoeh dks xwXxk ihj izdV gksrs gSaA ,slk yksxksa dk ekuuk gSA xwXxk dh ekU;rk izk;% lkjs gfj;k.ks esa gSa bl fnu NfM+;ka fudyrh gsaA HkDrksa esa xwXxs dk vkos’k vkrk gSA fdlh tky o`{k ds uhps NM+h [kM+h dj nh tkrh gS vkSj lHkh yksx ogk¡ iwtus tkrs gSaA 'kDdj vkSj irk’ks dk iz’kkn p<+k;k tkrk gSA

?k- lka>h iwtu &

Jk) lekIr gksrs gh vf’ou 'kqDyk izfrink dks uojk= vkjEHk gks tkrs gSaA uojk= ds fo’ks"k fnu ekus tkrs gsaA bu fnuksa esa ?kj nsoh dh iwtk vkSj

ikB gksrs gSaA fdUrq yksdkpkj esa izFke fnu ^lka>h* fcBkbZ tkrh gSA lka>h ds fy, feV~Vh ds fofHkUu vax cuk, tkrs gSa ftUgsa cM+s dykiw.kZ <ax ls nhokj ij xkscj ls fpidk fn;k tkrk gsA bl izdkj og iwjh nsoh dh ewfrZ cu tkrh gSA mls feVVh ds cus vkHkw"k.k iguk;s tkrs gSaA lkaa>h ds lkFk mldh uk;u Hkh jgrh gS] ftldk yksduke ^/kwa/kk* izfl) gSA lka>h ds lkFk ^/kwa/kk ekbZ* dh Hkh iwtk gksrh gSA iwtk ds volj ij xk, tkus okyk xhr bl izdkj gS

Egkjh lka>h , ds vks<<Sxh] ds igjSxh

D;k gS fd ekax HkjokoSxh

D;k gS fd iVVh , >qdkoSxh

pwan.k vks<waxh] nke.k ig:axh] jksyh dh ekax HkjkÅaxh]

eksfr;k¡ dh iVVh , >qdkÅaxhA

bl iwtu ds mijkUr yM+fd;k¡ feydj lka>h dh vkjrh bu ckyksa ls djrh gSa &

vkjrk gS vkjrk] lka>h HkkbZ vkjrk

vkjrk ds Qwy] pesYyh dh csYys

brus ls Hkkb;ka esa dq.k dk chjk

pUnk xksjk] lwjt xksjk] vkjrk gS vkjrk

vkjrk ds ckn lc yM+fd;k¡ fey dj xkrh gSa &

Å¡ph Vhofj;k pykoS rhj deku

nsD[k.k pkyks gs cg.k lka>h ds yf.kgkj

ds ns[kksxh gs ds pUnk uke /kM+ke

ds ns[kksxh gs ds lwjt uke /kM+keA

Å¡ph---

M+ dkfrZd &

dkfrZd ekl dh viuh gh NVk gSA Hkksj esa gh rkjksa dh Nk¡o rFkk eqgYys dh fL=;k¡ Luku djus ds fy, xhr xkrh gqbZ fudV ds fdlh tyk’k; ugj ;k ljksoj dh rjQ pyrh gSa vkSj izkr% dk okrkoj.k e/kqj xhrksa ls xawt mBrk gSA

lkou tgk¡ eLr eghuk gS] ogk¡ dkfrZd 'kkUr vkSj /keZijk;.krkA dkfrZd esa /kkfeZd yksx izkr% Luku] /;ku] dFkk Jo.k vkfn djrs gSaA fdUrq dkfrZd

Luku vklku ugha ekuk tkrkA bUgsa gfj;k.koh esa ckyd Ugk.k Hkh dgrs gSaA

e/kqj 'khr esa ?kj ls fudy dj unh ij tkuk vkSj 'khry ty ls Luku djuk dfBu gSA ,d xhr ftlesa ;qorh ifjokj ls Luku dh vkK ekaxrh gSA fdUrq ifjokj ds lnL; bls dfBu crkdj dksbZ vU; dke crk nsrs gSaA

ikl cSB;k vki.kk ckcy cw>;k] dgks rks dkÙkx ugk Y;ka gs jkeA

dkÙkx Ugk.kk csVVh cMk ,s nqgsYyk] ykb;ks ckx&cxhps gks jkeAA

6- J`axkj jl ls iw.kZ fojg & feyu ds xhr &

lkekU;r% gfj;k.koh yksd xhr esa oL= vkHkw"k.k] ds’k foU;kl] flanwj] pwfM+;kj vkfn dk cgqr foLrkj ls o.kZu gS f’k"; lkfgR; eas of.kZr lksyg & flaxkj izlk/kuksa dh x.kuk dh iqf"V yksd&xhrksa us Hkh dh gSA ijUrq ,d &,d J`axkj ds izlk/ku dh tkucw>dj ppkZ djuk yksdxhrksa esa lEHko ugha gS] D;ksafd yksd thou esa xhr is’ksoj yksxksa dh thfodk dk lk/ku ugha cfYd yksdjatu dk lk/ku gSA

d- os’kHkw"kk &

gfj;ko.koha yksdxhrksa esa izkphu ,oe~ vk/kqfud nksuksa gh iks’kkdksa dh ppkZ gSA igys fL=;k¡ ?kk?kjk ¼nke.k½ igurh Fkh] pquUnM+h vks<+rh Fkh] iguus dks vafx;k ;k dqjrk gksrk FkkA /khjs&/khjs lyokj&tEQj lwVksa dks vkxeu gqvk gSA lkaxhrksa esa ;g o.kZu cgqr gh lqUnj <ax ls gqvk gSA

esjs ckou xt ds nke.k iS]

lklq Hkh cksyh] lqljk Hkh]

nksuqvka dh thHk dÙkj ywaxh]

pkgs lqljk ckSys] nsoj Hkh]

esjs-----

[k- vkHkw"k.k &

oL=ksa ds i'pkr~ vkHkw"k.kksa dk o.kZu gfj;k.koha lkaxhrksa esa lfoLrkj feyrk gSA vkHkw"k.kksa ls ukjh dks LokHkkfod yxko gSA vkHkw"k.kksa ds lkFk LokHkkfod yxko dk lkaxhr bl izdkj ls gS &

eLr eghuk vkX;k gh] esjs eu esa mRlkg tkX;k gh]

T;kns ^Vwe* ¼vkHkw"k.k½ cyeoka] esys esa tkÅaxh]

ik;ka eSa je>kSy [kwc Nu NudkÅaxh]

d.Bk&d.Bh] galrk&galrh ig:axh esa pUnugkj]

dM+s&dM+s NSydM+s ig:axh Hkjrkj]

l[kh&lgsfy;ksa chp lku fn[kkÅaxhA**

^Vwu* lHkh vkHkw"k.kksa dk izfrfuf/k 'kCn gSA bldk vFkZ gh xguksa ls gSaA ;gk¡ xk¡o esa izpfyr lHkh eksVs&eksVs xguksa dh ppkZ dh xbZ gS vkSj vUr esa ukf;dk Li"V dgrh gS fd l[kh &lgsfy;ksa ds chp 'kkukS 'kkSDr dk lk/ku vkHkw"k.k gh gSA

x- ds’k &foU;kl &

ukjh vius lkSan;Z dh o`f) ds fy, ftruk /;ku xguksa dk j[krh gS mruk gh /;ku og ds’k&foU;kl ij Hkh nsrh gSA gfj;k.koha yksdxhrksa es ds’kksa ds lkSan;Z dh foLr`r ppkZ gqbZ gSA tSlk fd bl xhr esa n’kkZ;k x;k gS &

esjs yEcs& l?kjs cky js]

fdrS utj uk yx tk,]

jk[k¡w iSj lEHkky dS]

fdrS lqljk uk vktk,]

lqljk rks ,slh pht gS]

fdrS ?kwa?kV uk mM+ tk,A

?k- J`axkj % la;ksx i{k &

gfj;k.koha lkaxhrksa esa vf/kd la[;k ijdh;k ukf;dk ds Hkkoksa dh gS ysfdu fo;ksx i{k ds xhrksa esa Lodh; ukf;dkvksa dks LFkku feyk gSA ;gk¡ ;kSou esa eLr ukf;dk dks laxhr ls cgqr izse gSA mlus ,d lisjs dh chu dk jkx lqu fy;k gS] vkSj mlh ij vklDr gks xbZ gSA ;g viuh n;uh; fLFkfr dh ppkZ djrk gS rks Hkh ukf;dk vius gB ij dk;e gSA lisjs dh lHkh dgk&lquh dk ukf;dk ds l;kj ij dksbZ izHkko ugha iM+rkA xhr bl izdkj ls gS &

liss ch.k ctk ns rks pkywaxh rsjs lkFk]

egyka eSa jgus vkyh jS rUuS >kasiM+h yxS mnkl

>ksaiM+h eSa xqtj d:axh] gks pkywaxh rsjs lkFk]

Hkkstu ds [kk.kS vkyh jS rUus VhdM+ yxS mnkl]

VhdM+ eSa xqtj d:axh] gks pkywaxh rsjs lkFk

lisys----

lkekU; ukf;dk dh fLFkfr dk Hkh gfj;k.koh yksdxhrksa esa cM+k lqUnj o.kZu gqvk gSA &

esjs xksjs cnu iS jax cjlS

gsjh ckxksa esa tk¡Å rks ekyh yypS

esjs xkSjs cnu iS jax cjlS

gsjh rkyksa eSa tk¡ rks /kksch yypSA

esjs-----

bl izdkj dh lqUnj ukf;dk ftls izkIr djus dk dksbZ Hkh dksf'k'k dj ldrk gS mls mldk ifr pkSdUuk djrk gS fd ckxksa esa] xyh&dwpksa esa er fudyk djksA

ckxka ds er tkb, ukj dks;s lSu ekj rd ysxk]

ludrjk lk xkr ukj dks, vkx cky fldysxk]

gjh dUuh yky dUuh ;k dUuh vklekuh]

bl chj uS dN er dfg;ks ;k lS chj fujk.khA

M- fo;ksx i{k &

fo;ksx i{k ukjh dk cgqr gh izcy i{k gSA lkfgR; esa la;ksx ls vf/kd fo;ksx dh ppkZ gqbZ gSA fo;ksx i{k esa vf/kdrj ^Lodh;k ukf;dk* dh Hkkoukvksa dks LFkku feyk gSA ;g vko'd ugha gS fd ifr foNksg ls gh fo;ksx gksA dHkh&dHkh ukf;dk ifr ds ijns'k tkus dh 'kadk ek= ls Hkh lgt fo;ksx xzLr gks tkrh gSA ifr ukuk izdkj dh ;qfDr;kj lq>krk gS ijUrq ukf;dk [khapdj dgrh gS fd eq>s ekj Mkfy,A ;fn og thfor gks u jgsxh rks fo;ksx O;Fkk ls Hkh ihNk NwV tk,xkA xhr bl izdkj ls gS &

fi;k fdu Fkkjks ?kqM+yk dl fn;k]

dks, fdu FkkjS /kjnh thu thA

er tkb;ks jktan pkdjh]

Egkjk Hkkb;ka uS ?kqM+yk dj fn;kAA

,d vU; ukf;dk tks o"kksZa ls vius ifr dk fo;ksx lg jgh gS] lkou dh _rq vkrs gh cgqr O;fFkr gks tkrh gSA ;g izd`fr ds lgkjs ls vius uk;d ds vkxeu dh ckr dgrh gSA izd`fr ls rnkRe; LFkkfir djus ij pjeksRd"kZ bl yksdxhr esa izkIr gSA xhr iz.k; Hkkoksa ls vksr&izksr gS] fo;ksx dk thoUr fp=.k gS &

Ckks;s pys Fks Hkoaj th ihiyh ts]

gksrh dks, gks xbZ ?kej &?kqesj

cSB.k dh :r pkys Hkaoj th ukSdjh ts]

gkj th dks, gks xbZ lsj tokuAA

dksbZ ;kn djs rks fgpdh vkrh gS blh dk ,d lkaxh mnkgj.k bl izdkj gS

eUuS vkoS fgpdh]

ijnsl x;s ckye dh ;kn lrkoS fgpdh

Egkjs vkax.k ea csjM+h tkds ehBs csj

,d cS ckyd ?kj vkT;ka eSa ugha tk.k n;wa QsjA

eUuS

p- la;ksx vkSj fo;ksx nksuksa

dqN xhr ,sls Hkh gSa ftuesa la;ksx vkSj fo;ksx nksuksa :Ik ns[kus dks feyrs gSaA lkfgR; esa fojg&o.kZu dh ;g n’kk cgqr de gSA blh dk mnkgj.k bl lkaxhr esa ns[kk tk ldrk gSA

rsjh idM+wa ?kksM+s dh yxke]

tk.k u n;wa fi;k ukSdjh]

NksM+ , xkSjh ?kksM+s dh yxke]

lkFkka ds lkFk Egkjs NqV x;s]

NwV xbZ ?kksM+s dh yxke]

vkalw rks fxj gfj;y eksj T;waA

7- ,sfrgkfld ,oe~ ohj jl ls lEcfU/kr xhr &

ohj jl ls lEcfU/kr xkFkk,¡ gfj;k.kk esa vR;ar yksdfiz; gSA dq#{ks=] ikuhir] fnYyh vkfn j.k{ks=ksa ds lkFk Hkkjrh; bfrgkl dh egku ?kVukvksa dk lEcU/k gSA d`".k ds 'kkS;Z ls] lEcfU/kr xhr dk mnkgj.k gS&

fcgkjh tequk eva dwn iM+s]

fxj/kkjh tequk eva dwn iM+sA

bl izdkj ,d vU; xhr gS &

lqej fuoklh lqjl gh rw ikd bykgh

pyrk HkkÅ is'kok ukScr ctokbZ]

xksys vkSj ck#n dh isVh HkjokbZ]

xksyk ekj;k fdyS eva dpgM+h <kbZ]

tqTt Hkkj;k cqt eta mM+ x, flikghA

gfj;k.kk ds tksxh ohj xkFkkvksa dks bl izdkj ls xkrs gSaA

gksY;ka rSa dwnsa ljesa ekb;ka ds yky

yksgk ckts dM+dM+ ryokj dVkjA

flQZ dkth fe;ka ekj racw ds ckgj]

dkydj esa lq[khZ T;wa pyS lke.k ds [kkyAA

lSfudksa dh ifRu;k¡ Hkh fonk djrs gq, bl izdkj xhr xkrh gSaA

[kkDdh onhZ ig:ax gks fi;k rkj c/kkÅ¡ flaxkj]

QkSt esa yM+wxh gks fi;k ls ikapw gfFk;kj]

F;kjh xsY;ka jsQy pyk Y;waxh gks fi;k]

er dfj;ks budkj

QkSt esa yM+waxh gks fi;k ys ikpwa gfFk;kjA

8- v/;kfRed xhr &

gfj;k.kk esa dq#{ks= rhFkZ ds fy, tkuk tkrk gSA dqN ds vykok Hkh ;gk¡ /kkfeZd esys yxrs gSaA

gfj;k.kk dh vk/;kfRedk dks ysdj dqN xhr bl izdkj gSaA

pkyks gs HkSa.kka jke Hktfu;ka ds ns’k]

yksHk eksg mM+s nksuwa , dksU;k] /kjr rqyS lS jkst]

pkyks gs HkS.kka jkeHkt fu;ka ds nslA

d`".k HkfDr ds xhr Hkh xzkeh.k ds eq[k dks lquus dks feyrs gSa blesa d`".k dh cky yhyk] eqjyh dh efgek] d`".k lqnkek vkfn ds fo"k; vkrs gSa &

gfj Hktys] gfj Hktys] gfj Hkt.kS dk ekSdk lS]

;s pyrh nqfu;k lS] fVdV ys ge ch cSBkaxsA

9- d`f"k lEcfU/kr xhr &

d`f"k iz/kku ns’k esa fdlku ls c<+dj esgurh ,oe` ifjJeh vU; dksbZ ugha gks ldrk gSA d`"kd tks cksrk gS ogh dkVrk gSA ,d lkekU; okD; dks le>uk gh deZ ds eeZ dks tkuuk gSA Je thou dk vfHkUu vax gSA blh ds vk/kkj ij lkjk lekt [kM+k gSA deZjr lq[k nq[k ds vkorZ esa thou dh dgkuh pyh vk jgh gSA

ifjJeh fdlku ds la?k"kZe; thou esa Hkh Je dh Fkdku dks feVkus gsrw yksdxhrksa dk egRoiw.kZ LFkku gSA ifjJe ds es:naM ij [kM+s yksdxhrksa ds foiqy HkaMkj esa vf/kd la[;k d`f"k deZ ds xhrksa dh gSA bu xhrksa ls euksjatu gh ugha gksrk cfYd ;s deZ {kerk esa Hkh o`f) djrs gSaA

d`f"k lEcfU/kr lkaxhrksa esa Qlyksa dk cksuk] mudh xqM+kbZ djuk] ikuh nsuk] idkuk] ,oe~ dkVuk] dk<+uk rFkk lkekU; yksdkuqHkwfr dh ppkZ feysxhA fdlku dh ekfeZd dgkuh dk |ksrd ;g xhr bl izdkj gS &

dksR;d c<+h vekol vkbZ fnu ;k [kkl fnokyh dk]

vka[;ka ds Egka vkalw vkX;s ns[k;k ?kj tc Mkyh dk]

lHkh iM+kslh cPPkka [kkÙkj&[khy f[kykSus Y;koSa Fks]

nks cPps gkyh ds c<+S mudh vkSj y[kkoS FksAA

,d vU; xhr &

/kjrh ekrk us gj~;ks dj;ks

xÅ dS tk;s uS gj~;ks dj;ks]

thotar ds Hkkx uS gj~;ks dj~;ks]

<k.kk [ksMS uS gj~;ks dj~;ksAA

oSls rks gfj;k.kk esa xehZ ,oe~ lnhZ lHkh ekSle dh Qlysa cgqr vPNh gksrh gSa fdUrq xUus dh Qly ij fdlku dks cgqr dBksj ifjJe djuk iM+rk gS] ysfdu d`"kd dks bl dBksj ifjJe dk Qy dqN Hkh ugha feyrkA ;g nqHkkZX; fdlku dh x`fg.kh dks cgqr v[kjrk gSA og bZ[k dh [ksrh ls nq%[kh gksdj mls dkslrh gSA tSls fd ;g xhr n’kkZrk gS &

cksgr lrkbZ bZ[kM+s rUuS cksgr lrkbZ jS]

ckyd NksM+s jksors jS rUuS cksgr lrkbZ jS]

MkyM+h eSa NksM+;k ihl.kk]

vj NksgM+h lS ykaxM+ xk;]

uxksM+S bZ[kM+s rUuS cksgr lrkbZA

10- lSfud ijEijk ds xhr &

gfj;k.kk izns’k dh yksd/kkj.kk esa ohjrk dk Hkko dwV & dwV dj Hkjk gqvk gSA bl izns’k dh ekrk,¡ lnk vius xksnh ds ykyksa dks ns’k Hkj ej&feVus dh f’k{kk nsrh jgh gSA

dj nsl dh jdlk pky] pky esjs lt&/kt ds

;fn ikfjokfjd fojks/k ds dkj.k dHkh dksbZ iq#"k vius HkkbZ dh vko’;drk iM+us ij ;q) /keZ dk ikyu djus ls eaqg eksM+rk gS rks mls viuh ekrk ls dM+h QVdkj lquuh iM+rh gSA

cSjh Fkk rS ds gqvk HkkbZ Fkk rsjk

lsj x<+k ds idfM+;s rw jgk Hkxsjk

rw vkS<S pqanM+h eUuS ns phjk

eSa iMwj nyka esa VwV ds ekj Bknwa MsjkA

bl izns'k dh ohjkaxukvksa us Hkh viuh ekax ds fpUnwj vius ifr dks ekr`&Hkwfe dh j{kk ds fy, izsfjr djrs gq, dgk fd &

fi;k Hkjrh eSa gksys uk iV~Vtk Nrjkiu dk rksy]

tjeu esa tkds yfM+, vius ekj ckika dkuka dfj,]

rS rksika ds vkxs vfM+, vi.kh Nkrh uS fn, [kksy]

fi;ka-----

gfj;k.kk dh lkaxhr ijEijk ds vUrZxr iz;qDr gksus okys ok+|

gfj;k.kk esa lkaxhr ds iz;ksx gksus okys ok|ksas ij Hkh xhr gSa tSls

jS t;c pkY;k Bkdqj uka dqN nsjh yxkbZA VsdAA

vkxS vkxS cktk cktS racwjh vkSj <ksy HkkbZ]

HkkbZ]

'kadj ds ekag :Ddk iM+X;k] ekp xbZ jkSy HkkbZ]

chu ds ygjs ds ekag yksx lkjs Qwy x,

j.kfla?kk vkSj rkLlk lq.k ds lq/kcq/k Hkwy x,]

[katM+h vkSj [kM+rky cktS lq.k ds yksx Vwy x,]

lkjs ckts ckt jgs lSa ckt.k ykX;ks 'kgukbZAA

1- <ksyd &

,sfrgkfld n`f"V ls ^<ksyd* dk izpyu dkQh iqjkukgSA yksd xhrksa rFkk yksdu`R;ksa esa iz;qDr gksus okyk ;g ok| gfj;k.kk esa dkQh izpfyr gSA gfj;k.kk esa <ksyd dk iz;ksx eafnjksa] Hktu dhrZu vkfn eaMfy;ksa rFkk gfj;k.kk ds 'kgjksa esa fookg vkfn voljksa ij fL=;ksa }kjk fd;k tkrk gSA bl izns’k ds izfl) u`R; /keky] Qkx u`R; rFkk gksyh vkfn u`R;ksa esa bl ok| dk iz;ksx fd;k tkrk gS rfkk vk[kk rht uked u`R; esa Mwefu;k¡ ¼fgtM+s½ <ksyd ctkrh gSA blds vfrfjDr yksdukVdksa ¼lkax½ esa bl ok| dk iz;ksx vfuok;Z le>k tkrk gSA

<ksyd ok| vke] 'kh’ke] uhe] tkequ vkfn dh ydM+h }kjk fufeZr gksrk gSA ydM+h dks vanj ls [kks[kyk dj fy;k tkrk gS rFkk mlds

nksuksa eq[kksa ij cdjs dh [kky e<+h tkrh gSA vkerkSaj ij blds eq¡g dh pkSM+kbZ 20 lsa-eh- gksrh gSA [kky dks dlus ds fy, Mksfj;ksa esa NYys Mkys tkrs gSa ftudks dl dj ;k <hyk djds Loj esa fd;k tkrk gSA <ksyd ds nkfgus eq[k dk vkdkj ck¡, eq[k ls dqN cM+k gksrk gSA nk,¡ eq[k dks Å¡ps Loj easa rFkk ck,¡ eq[k dks uhps ds Loj esa feyk;k tkrk gSA <ksydh ds eq[k dh pkSM+kbZ 20 ls-eh- gksrh gSA blds }kjk vUnj dh rjQ ,d [kkl izdkj ds elkys dk ysi fd;k tkrk gS] ftls ^/kkek* dgrs gSaA

2- <ksy &

gfj;k.kk esa ^<ksy* dk izpyu vfr izkphure gSA vkt dksbZ Hkh ,slk O;fDr ugha tks <ksy ls ifjfpr u gksA ^<ksy* <ksydh dk gh cM+k :Ik gSA <ksy ctkus okys dks <ksyph dgk tkrk gSA

gfj;k.kk esa <ksy oknu eq[; :Ik ls i'kq esys] uhykeh] dq’rh] [ksy] rek’ks] tqywl] gksyh jkx rFkk vU; yksd&u`R;ksa vkfn esa fd;k tkrk gSA blds vfrfjDr 'kqHk voljksa ij tSls ?kqM+p<+h] 'kxqu] iq= tUe] eqaMu laLdkj] clar iapeh vkfn voljks ij bl ok| dks izlUurk dk izrhd ekuk tkrk gSA vktdy yksxksa us <ksy dks dekus dk /ka/kk Hkh cuk

fy;k gSA gksyh] Qkx vkfn mRloksa ij os ?kj&?kj tkdj ekaxrs gSaA dHkh&dHkh <ksy dks dqf’r;ksa ds v[kkM+s esa Hkh ctk;k tkrk gSA

<ksy vke dh ydM+h dk ok| gS] ftls [kks[kyk djds cuk;k tkrk gSA blds eq¡g dh pkSM+kbZ 35 ls-eh- gksrh gSA blds eq[k ds nksuksa vksj cdjs dh [kky e<+h gksrh gSA blds ,d rjQ [kky eksVh gksrh gS vkSj nwljh rjQ iryhA budks jfLl;ksa dh lgk;rk ls [khapk tkrk gSA jfLl;ksa esa ihry ;k peM+s ds NYys cukdj fijks fn, tkrs gSa ftlls <ksy dks [khapus esa vklkuh jgrh gSA blds ck¡, eq[k dks /kkek ¼iqM+k½ vkSj nk¡, eq[k dks iqM+k dgrs gSaA ;g ckSjk vkSj ydM+dh ds NM+ksa ds lkFk ctk;k tkrk gSA <ksy dh ckbaZ vksj ls vUnj okys fgLls esa ,d [kkl rjg dk elkyk yxk;k tkrk gS] ftls eksVh vkokt ¼eUn Loj½ fudy ldsA ckbZ rjQ vFkkZr~ /kkes dh NM+h ydM+h dh gksrh gS ftldh 'kDy ^gkWdh* tSls gksrh gS] rFkk ftldks ^MXXkk* dgrs gSaA ckabZ rjQ vFkkZr~ iqM+s dks ckal dh NM+h ds lkFk ctk;k tkrk gSA yksdxhrksa esa dHkh bls gkFkksa ls Hkh ctk;k tkrk gSA bl ok| ij rcys ds ,d vFkok nks rky gh ctk, tkrs gSa] tSls dgjok vkSj nknjkA

3- uxkM+k &

yksd laxhr esa iz;qDr fd;k tkus okyk ^uxkM+k* uked ok| vfr izkphu gSA blds dbZ uke gSa & tSls uxkM+k] uDdkjk o uxkjkA izkphu le; esa uxkM+k dk iz;ksx jktk&egkjkvksa dh mn~?kks"k.kkvksa ,oe~ ;q) ds le; fd;k tkrk FkkA

gfj;k.kk esa uxkjs dk izpyu cgqr fd;k tkrk gSA eq[; :Ik ls lkax rFkk jkxfu;ksa esa bl ok| dk iz;ksx vko’;d ekuk tkrk gSa uxkM+s dk NksVk :Ik ftls gfj;k.kk esa ^uxkjh* dgk tkrk gS] dk oknu lkFk&lkFk gksrk gSA ;g ok| gfj;k.koh ok|&o`Un esa egRoiw.kZ Hkwfedk fuHkkrk gSA

gfj;k.kk esa ^uxkM+s* dk vkdkj nks dVksjksa ds leku gksrk gSA cM+k dVkSjk rkacs dk vkSj NksVk dVksjk yksgs dk gksrk gSA bu nksuksa dVksjksa ij [kky e<+h gksrh gSA cM+s ij HkSals dh rFkk NksVs ij Å¡V dhA [kky dks dlus ds fy, peM+s dh cf);k¡ yxh gksrh gSaA cM+k uxkM+k uhps ds Loj esa vkSj NksVk uxkM+k Å¡ps ds Loj esa feyk;k tkrk gS rFkk Loj dh Å¡pkbZ ds fy, bls vkx esa lasdrs gSaA cM+s uxkM+s esa ,d fNnz gksrk gS mlesa ikuh Mkydj Loj uhpk fd;k tkrk gSA bl ok| dks nks NfM+;ksa }kjk ctk;k tkrk gSA

4- Me: &

Hkkjrh; laLd`fr esa ^Me:* dk vk/;kfRed egRo gSA rk.Mo u`R; ds le; Hkxoku f’ko &’kadj bls ctkrs FksA

gfj;k.kk ds yksdlaxhr esa Me: dk egRo cgqr de jg x;k gSA bl izns’k esa canj upkus okys enkjh izk;% Me: ¼MqxMqxh½ ctkrs gSaA fdlku vius dke&/ka/kks ls NqVVh ikdj dHkh&dHkh laxhr xksf"B;k¡ tekrs gSa vkSj ^xqXxk* uked yksdxhr fo’ks"kdj xkrs gSa rFkk ^Me:* ok| dk iz;ksx djrs gSaA

Me: ydM+h vFkok feVVh ds cus gksrs gSaA og chp esa ls iryk ,oa vklikl ls eksVk gksrk gSA blds nksuksa eq[k xksykdkj gksrs gSa rFkk bu ij peM+k e<+k jgrk gSA Me: ij nks jfLl;k¡ ftuds dksus ij xkaBs gksrh gSa] yxh jgrh gSaA Me: ds chp esa bls idM+ dij fgykus ij xkaB tc [kky ij iM+rh gS rks vkokt mRiUu gksrh gSA dqN yksx bls gkFkksa ls vk?kkr ls Hkh ctkrs gSaA

5- Ms: &

Ms: izkphu yksd ok| gSA gfj;k.kk esa >kM+ &Qwad djus okys ftls ^l;kus* dgrs gSa Ms: dk iz;ksx jksxh esa cqjh vkRekvksa dks

fudkyus ds fy, djrs gSaA blds vfrfjDr ikjEikfjd xwxk] HkDr xwxk ¼xkFkk½ xk;u ds fy, ^Ms:* dk iz;ksx djrs gSaA xwxk u`R; esa 8&8] 10&10 Ms: bdVBs ctkdj cM+k fofp= izHkko mRiUu fd;k tkrk gSA Ms: ds vfLrRo dk izek.k f’ko ds Me: dks feyrk gSA f’ko ds Me: dk Lo:Ik T;ksa dk R;ksa fo|eku gSa vUrj dsoy bruk vk;k gS fd tgk¡ Me: esa Mksfj;ksa ds izgkj gksrs gSa] Ms: esa ,slk ugha gksrkA bu nksuksa izns’kksa ds <ax dh rjg Ms: dks ydM+h ls ctk;k tkrk gSA ftlds e/; Hkkx dk O;kl vis{kkd`r de gksrk gSA

iwM+ksa ij dlko de ;k vf/kd djus ds fy, iryh Mksfj;ksa dk tky ;k xwaFkk gksrk gSA Ms: ctkus okys oknd dykdkj Ms: ds e/; esa fyiVh gqbZ Mksjh dks vius gkFk esa nckdj j[krk gS vkSj mlh gkFk ls vaxwBs vkSj vaxqyh ls Ms: dks Fkkse jgrk gSA oknd Ms: dks ckal dh ypdnkj [kifp;ksa ls ctkrk gS vkSj chp&chp esa rky ds vuq:Ik Mksfj;ksa dks nck&nckdj /ofu ,oa Loj dks Å¡pk &uhpk djrk gSA

6- <Q &

^<Q* vk;ksZa dk izkphu ok| gS D;ksafd Hkkjr gh ugha vfirq vk;Z ns’k Qkjl esa Hkh bldk izpyu izkphudky ls jgk gSA Hkkjr esa bldk

mPpkj.k ^MQ* gS ysfdu Qkjlh Hkk"kk esa ew/kZU; /ofu;kj u gksus ds dkj.k ^nQ* dgk tkrk gSA

gfj;k.kk esa <Q dks <iyh Hkh dgrs gSaA

bl izns’k ds ikjEifjd u`R; o Qkx esa bl ok| dk vR;kf/kd iz;ksx f;dk tkrk gSA MQ u`R; esa urZd dbZ <Qksa dk iz;ksx djrs gSaA

;g [kky ls e<+k gqvk xksy ?ksjk gksrk gSA bldk O;kl dHkh&dHkh nks QqV vFkok dqN vf/kd gh gksrk gSA bls vaxqfy;ksa ds izgkj ls ctk;k tkrk gSA

7- [katjh

^[katjh* dk izpyu gfj;k.kk ds yksdlaxhr esa cgqr gksrk gSA bl izns’k esa bl ok| dk iz;ksx enkjh vkSj HkkaM vkfn ekax dj [kkus okyh tkfr;ksa }kjk Hkh fd;k tkrk gS rFkk bl ok| dks yksd&xhrksa ,oe~ yksd&u`R;ksa ds lkFk ctk;k tkrk gSA ;g ok| rky iz/kku gSA

^[katjh* xksy vkdkj dh ydM+h vFkok ihry dh pknj ls cuh gksrh gSA blds eqag dh pkSM+kbZ 18 ls 14 ls-eh- rd gksrh gSA blds ?ksjs dh pkSM+kbZ rhu ls pkj vaxqy rd rFkk xksykbZ vkB ls ckjg vaxqy rd gksrh gSA ydM+h esa rhu ;k pkj txg ij fNnz djds /kkrq dh NksVh

>ka>s yxkbZ tkrh gSaA bldks ckj, gkFk esa idM+dj nk,a gkFk ls ctk;k tkrk gSA

[k- ?ku ok| &

1- [kM+rky &

^[kM+rky* ,d ok| gA ;g ^djrky* ds uke ls tkuk tkrk gSA izkphu le; ls ysdj vc rd ;g ok| efUnj] xq:}kjksa esa Hktu] dhrZu ds lkFk ctk;k tkrk gSA ;g tksxh HkDr vkfn ds gkFkksa esa izk;% ns[kk tkrk gSA gfj;k.kk ds yksdfiz; yksd&ukVd lkax esa [kM+rky dk iz;ksx cgqr fd;k tkrk gSA

ydM+h ds nks ,d leku VqdM+ksa esa NksVh&NksVh nks >ka>s yxkdj ;g ok| cuk;k tkrk gSA bldh yEckbZ yxHkx ikjp ls nl bap rFkk pkSM+kbZ nks ls rhu bap rd gksrh gSA ,d ydM+h ds VqdM+s esa vaxwBk Mkyus dh txg rFkk nwljs VqdM+s esa pkj vaxqfy;kj Mkyus dh txg gksrh gSA bUgsa ,d gkFk esa idM+k tkrk gS nksuksa VqdM+ksa ds vkil esa Vdjkus ls vkokt iSnk gksrh gSA

2- ?kM+k

gfj;k.kk esa yksd ok|ksa esa ^?kM+s* dk izeq[k LFkku gSA bl izns'k esa bls ?kM+ok Hkh dgk tkrk gSA ftldk iz;ksx ;gk¡ ds yksx eq[;r% jkxfu;ksa] chu vkSj ckalqjh dh ygjksa vkfn yksd&'kSfy;ksa esa djrs gSaA

izkphu le; esa f'kdkjh yksx e`x dk f'kdkj djus ds fy, blds eqag ij jcM+ dj ,d [kkl rjhds ds lkFk ctkrs Fks] ftldh vkokt lqudj e`x ikl vk tkrs Fks vkSj fQj f'kdkjh mldks fu'kkuk cukdj mldk f'kdkj dj ysrs FksA

cukoV dh n`f"V ls ;g ,d lk/kkj.k ok| gksrk gSA bldk eqag Åij ls NksVks vkSj isV ¼chp dk fgLlk½ cM+k gksrk gSA gfj;k.kk esa ?kM+s ds eq[k ij jcM+ dk VqdM+k cka/k dj ctkrs gSaA dqN dykdkj dHkh&dHkh fcuk jcM+ ds ?kM+s dks ctkrs gSaA

3- fpeVk &

^fpeVk* ok| efUnjksa esa Hktu vkSj dhrZu uxj&dhrZu rFkk izHkkr Qsjh ds fy, iz;ksx gksrk gSA blds vfrfjDr lk/kq&lUrksa rFkk /kkfeZd mRloksa ij fpeVs dk iz;ksx fd;k tkrk gSA

bldk vkdkj yxHkx nks QqV yEcs yksgs ds lk/kkj.k fpeVs ds leku gksrk gSA blds Åijh fgLls ¼eqB½ ij ,d yksgs dk dM+k yxk gksrk gSA dM+s okyk Hkkx ckj, gkFk esa rFkk nka, gkFk ls fpeVs ds nksyksa Qyksa dks vkil esa Vdjk dj oknu fd;k tkrk gSA vf/kdrj fpeVksa ij [kM+rky dh Hkkafr NksVh&NksVh >ka>s yxh gksrh gSaA

4- eathjk &

^eathjk* ,d izpfyr ok| gS ftldk iz;ksx yksd laxhr rFkk HkfDr laxhr esa fd;k tkrk gSA gfj;k.kk ds jfl;k u`R; esa dHkh&dHkh >ka> ds LFkku ij eathjs dk iz;ksx fd;k tkrk gSA /kkfeZd LFkkuksa] dhrZuksa ,oe~ nsorkvksa dh iwtk esa bl ok| dk iz;ksx fd;k tkrk gSA /kkfeZd LFkkukas ds vfrfjDr orZeku le; esa fookg vkfn ekaxfyd voljksa ij <ksyd ds lkFk xku djrh gqbZ xzkeh.k efgyk,¡ bldk oknu djrh gSaA

nks NksVh&NksVh xgjh xksy ifVV;k¡] tLrk vkSj rkcas vkfn ds feJ.k ls cuh gksrh gSaA nksuksa dk e/; Hkkx I;kyh ds vkdkj dk gksrk gSA nksukas eathjksa ds fdukjs irys gksrs gSa] ftudks ctkus esa lqfo/kk gksrh gSA eathjs dh /ofu] out] vkdkj /kkrqvksa ij fuHkZj

djrh gSA ;s eathjs e/; Hkkx esa Mksjh ls tqM+s jgrs gSaA eathjs dks nksuksa gkFkksa eas idM+dj vkil esa Vdjkus ls ctk;k tkrk gSA

5- ?kqa?k:&

^?kqa?k:* vfr izkphu ok| gSA laxhr xzUFkkas esa ls ^{kqnz ?kafVdk* dgk x;k gSA izkphu dky rFkk e/;dky esa ?kqa?k: ds fofHkUu uke izpfyr Fks] tSls] {kqnz ?kafVdk] ?k?kZfjdk] eeZjk] ?kqa?k: vkfnA ?kqa?k: nks izdkj ds gksrs gSa ,d rks cM+s vkdkj ds tks ?kksM+s vkSj cSy vkfn ds xys esa Mkys tkrs gSa ysfdu tks ?kqa?k: u`R; vkfn esa iz;ksx fd;s tkrs gSa mudk vkdkj NksVk gksrk gSA

gfj;k.kk ds yksdu`R; ftuesa ?kqa?k:vksa dk iz;ksx fd;k tkrk gS os vkdkj esa NksVs gksrs gSaA bl izns’k ds yksd ukVd lkax eaas tks iq#"k fL=;ksa dk os"k Hkjrs gSa] u`R; djrs gq, ?kqa?k:vksa dk iz;ksx djrs gSa] tks ?kqa?k: yksd&u`R;ksa esa iz;ksx fd, tkrs gSa] og ,d peM+s ds iVVs esa vFkok jLlh esa fijk,s tkrs gSaA

?kqa?k: yksgk] dkalk] vFkok ihry /kkrq ds cus gksrs gSaaA buds vUnj NksVh ?k.Vh ds leku ,d yksgs vFkok fdlh vU; /kkrq dk VqdM+k gksrk gS] ftlls /ofu mRiUu gksrh gSA

6- bdrkjk & ¼,drkjk½

;g ,d vfr izkphu ok| gSA tks izkphu ,drU=h oh.kk ds leku gSA izkphudky ls ysdj vc rd ;g lk/kq&lUrksa dk ok| jgk gSA fHk{kqd vkSj tksxh bldk iz;ksx djrs gSaA

gfj;k.kk ds izfl) ok|&o`Un uxkjk oknu esa rFkk gksyh jkx esa ,drkjs dk iz;ksx fd;k tkrk gSA bl izns'k eas ^nks rkjk* uke ls ,d vU; ok| izpfyr gSA bldk vkdkj ,d rkjk ds leku gh gksrk gSA dsoy blesa ,d gh txg nks rkjksa dk iz;sx fd;k tkrk gSA bldh oknu fØ;k esa igyh rkj rtZuh ls rFkk nwljh rkj e/;ek vaxqfy ls ctkbZ tkrh gSA

cukoV dh n`f"V ls ^,drkjk* izkphu ,drU=h oh.kk dk gh ifjofrZr Lo:Ik gS tks vkt Hkh lk/kq&lUrksa }kjk Hktu xk;u ds lkFk ctk;k tkrk gS yxHkx N% bap ifjf/k dk eksVk rFkk rhu QqV yEck ckal dk naM cuk;k tkrk gS ftlds Åijh fljs ls nks bap NksM+dj lkeus dh

vksj ,d [kwaVh yxk;h tkrh gSA rqEgs dh lrg ij iryh [kky ljksn ;k bljkt vkfn ok|ksa ds leku e<+ nh tkrh gSA blh [kky ds e/; {ks= esa NksVh lh ?kksM+h LFkkfir djds] ?kksM+h vkSj [kwaVh ds chp rkj dl fn;k tkrk gSA

7- lkjaxh &

gfj;k.kk ds yksdlaxhr esa lkjaxh ,d izeq[k rU=h ok| gSA bl izns’k ds yksdlaxhr esa jkxuh] fdLlk jkx] xwXxk] xk;u esa lkjaxh dk mi;ksx fo’ks"k :Ik ls fd;k tkrk gSA

gfj;k.kk esa nks izdkj dh lkjaxh izpyu esa gSA

1- tksfx;k lkjaxh & bl lkjaxh dk iz;ksx tksfx;ksa }kjk fd;k tkrk gSA

2- /kkuh lkjaxh & bl lkjaxh dk iz;ksx fugkyns xkus okys yksd xk;dksa }kjk fd;k tkrk gSA

cukoV dh n`f"V ls ^lkjaxh* 'kkL=h; laxhr esa iz;qDr gksus okys lkjaxh ls dkQh feyrh&tqyrh gksrh gSA gfj;k.kk esa iz;qDr ^tksfx;k lkjaxh* vkdkj esa NksVh gksrh gS rFkk mlds ?kqM+p ij rkar ds rhu rkj yxs gksrs gSa rFkk ^/kkuh lkjaxh* esa rqEck lh/kh vksj ls Li"V gksrk gS vkSj blesa nks yksgs ds vkSj nks

rkar ds rkj gksrs gSaA lkjaxh dk oknu ,d xt ds }kjk fd;k tkrk gSA

8- Ckaklqjh &

;g ok| oa’kh] ^caklqjh* rFkk eqjyh ds uke ls tkuk tkrk gSA ;g vfr izkphu ,oe~ izfl) ok| gSA bldk iz;ksx 'kkL=h; laxhr vkSj yksd laxhr nksuksa eas fd;k tkrk gSA gfj;k.kk ds yksdlaxhr esa ckalqjh dk iz;ksx Qkx] /keky] chu] ckalqjh u`R; vkfn eas fd;k tkrk gSA

chu ds ygjs ds lkFk bldk vn~Hkwr lg;ksx ekuk tkrk gSA

ckal

ckalqjh ds fy, fpdus] lh/ks vkSj fcuk xkaB ds ckal dh ydM+h] gkFkh nkar vFkok panu dh ydM+h dk iz;ksx izkphudky ls gh pyk vk jgk gSA /kkrqvksa esa yksgk] dkalk] lksuk] pkanh vkfn dk Hkh iz;ksx fd, tkus ds fooj.k izkir gksrk gSA oa’kh vFkok ckalqjh vkdkj dh lh/kh ydM+h o iryh vkSj vUnj ls [kks[kyh ¼yxHkx dfuf"Bdk vaxqyh ds cjkcj½ gksrh gSA bl izdkj dh ckalqjh yxHkx 18 vaxqy yEch gksrh gS ftlds Åijh Hkkx esa nks vFkok rhu vFkok pkj vaxqy NksM+ dj

Nsn fd;k tkrk gSA ftls eq[kjU/kz dgk tkrk gSA bl fNnz ls ,d vaxqy vkxs ,d vkSj jU/kz gksrk gSA ftls rkj jU/kz vFkok ukn jU/kz dgk tkrk gSA bl Nsn ds vkxs yxHkx rhu&pkj vaxqy NksM+dj vk/ks&vk/ks vaxqy ds vUrZxr lkr Nsn fd, tkrs gSaA bu Nsnksa ds vUrj dks gh ?kVk&c<+kdj ^ia0 'kkxZnso* us ^laxhr jRukdj* esa ckalqjh ds pkSng Hksn crk, gsaA ckalqjh oknu dh lEiw.kZ izfØ;k ,oe~ Jqfr rFkk Lojksa dh mRifr ds fy, Qwad dh izfØ;k rFkk mlds Hksnksa vkfn dk o.kZU Hkh vR;ar foLr`r :Ik esa ia0 'kkxZnso us fd;k gSA 'kkL=h; laxhr ds LorU= oknu ds fy, Hkh bl ok| dk iw.kZ :Ik ls iz;ksx fd;k tkrk gSA

9- vyxkstk &

Vyxkstk ,d izkphu ok| gSA ;g ckalqjh dk gh ,d :Ik gSA pjokgksa dk tkrh; ok| gSA ;g fo’ks"kdj yksd xk;u vkSj yksd u`R; ds lkFk laxr ds :Ik esa iz;qDr gksrk gSA rFkk LorU= :Ik ls Hkh bldk oknu fd;k tkrk gSA vYxkstk ok| esa nks ckalqfj;k¡ ,d lkFk tqM+h gksrh gSaA oknd nksuksa gh cklqfj;ksa esa ,d lkFk Qwad ekjrk gSA izR;sd ckalqjh ij rhu&rhu vaxqfy;k¡ j[kh tkrh gSa vkSj /ofu mRiUu dh tkrh gSA

10- 'kgukbZ &

'kgukbZ oa’kh tSlk gh lqf"kj o.kZ dk ok| gS vkSj izk;% fookg vkfn eaxy voljksa ij ctk;k tkrk gSA ;g ok| 18 vaxqy yEck gksrk gS vkSj blesa Loj okys lkr fNznz Åij gksrs gSaA /ofu esa e/kqjrk ykus ds fy, ,d fNnz uhps dh vksj vkSj Hkh gksrk gSA bl ok| dk pkj vaxqy yEch rkacs dh uyh gksrh gS ftlds eq[k ij rkM+ i= ;k dkals dh iÙkh nw/k esa fHkxksdj yxkbZ tkrh gSA

bldk fuekZ.k /ofu ds mUgha fl)kUrksa ij gqvk gS ftu ij oa’kh dk gqvk gSA bldh eq[k ufydk oa’kh dh jh<+ ls fHkUu gksrh gSA blesa gkjeksfu;e dh jh<+ dh Hkkafr nks ifÙk;ksa okyh csar ;k /kkrq dh pki yxh jgrh gSA ik’pkR; lqf"kj ok| Dysf’;ksusV blls feyrk tqyrk gSA blesa jh<+ dk dk;Z ckal dh ,d iÙkh ls lEiUu fd;k tkrk gSA

;g jh<+ teZu flYoj ds ,d Qszse esa dlk gqvk gksrk gS] ftls fyespj dgrs gSaA fyxspj vkSj jh<+ ftl LFkku ij yxs jgrs gSa mls ekÅFk ihl dgk tkrk gSA blh dks eqag esa nckdj dysfj;ksusV ctkbZ tkrh gSA 'kgukbZ esa ckalqjh dh Hkkafr lkr fNnz gksrs gSaA buesa dsoy okafNr Loj okyk fNnz [kqyk j[kk tkrk gSA 'ks"k :bZ ls can dj fn;s tkrs gSaA bl ok| ds

}kjk 'kgukbZ dks eanz lIrd dk vkjEHk Loj ;k Mªksu fn;k tkrk gSA blesa Loj ;k fujUrj ukn dk;e j[kuk vko’;d gksrk gSA ;g Hkh vko’;d gS fd ukn 'kgukbZ ds Lojksa esa ck/kd u gksrs gq, iks"kd gksA gfj;k.kk esa 'kgukbZ ok| dk iz;ksx fookg vkfn eaxy voljksa ij fd;k tkrk gSA gfj;k.kk ds yksd laxhr esa 'kgukbZ ok| ls feyrk tqyrk Dysfj;ksusV ok| dk iz;ksx Hkh fd;k tkrk gSA

11- 'ka[k &

;g ,d vfr izkphu lqf"kj ok| ekuk tkrk gSA gfj;k.kk ds yksdlaxhr esa bldk mi;ksx HkfDr laxhr] efUnjksa esa vkjrh vkfn ds le; fd;k tkrk gSA bl ok| dk iz;ksx ?kfM;ky] ?k.Vh] <ksy vkfn ok|ksads lkFk Hkh fd;k tkrk gSA

12- chu &

^chu* gfj;k.kk dk ijEijkxr ok| gsA ewy :Ik ls lisjksa dk ok| gSA ijUrq gfj;k.kk ds cgqr ls yksd dykdkjksa esa blesa dkQh :fp yh gSA vkSj bls viuk;k gSA ;g [ksrksa ls izkIr lq[kh f?k;k ls cukbZ tkrh gsA blesa ckal dh nks uyfd;kj tksM+ nh tkrh gSaA tksM+us ds fy, 'kgn ds Nrs dk ekse iz;ksx esa yk;k tkrk gSA chu esa yuly ls cus nks jksM+ yxk,

tkrs gsaA bl izdkj ck¡l dh ,d uydh ij lkr fNnz fd, tkrs gSaA ,d fNnz uydh ds uhps dh vkSj fd;k tkrk gSA ftldks oknd vko’;drk iM+us ij rhoz Loj ds fy, iz;ksx djrk gSA

ltkoV ds fy, gfj;k.koh dykdkj mls pkanh dh xqfPN;ksa] NksVs&NksVs 'kh’kksa] pk¡nh ds flDds] iSls vkfn ls ltk ysrk gsA yksd dykdkj viuh chu ds ygjs ls lquus okyksa dks eU= eqX/k dj nsrs gSaA ;gk¡ rd fd chu vkSj ckalqjh dk bruk vf/kd egRo gS fd dksbZ Hkh dk;ZØe 'kq: djus ls igys chu&ckalqjh ij ygjs ctk, tkrs gSaA eq[; :Ik ls gfj;k.kk ds yksdu`R;] Qkx u`R;] /keky] lkax vkfn esa bldk iz;ksx fd;k tkrk gSA gfj;k.kk esa izR;sd yksd dykdkj chu dks Lohdkj djrk gSA bl izns’k esa QkYxqu ds fnuksa eas rFkk lkou ds o"kkZ Hkjs okrkoj.k esa xk¡o ds yksd&dykdkj chu ds ygjs NksM+dj cM+s d.kZfiz; okrkoj.k dh l`f"V djrs gSaA xhrksa dh rtZ izk;% bl izdkj gksrh gS &

lisjk chu ctk ns js]

Vwy.k ns dkyk ukx]

Lisjk chu ctk ns js

Pkywaxh rsjs lkFkA

Mijfyf[kr ok|ksa ds vfrfjDr gfj;k.kk esa dqN ok|ksa esa rk’kk vkSj ?ku ok|ksa eas >ka> vkfnA

13- Rkk’kk &

Rkk’kk uxkM++s ls feyrk&tqyrk ok| gSA gfj;k.kk esa tylksa] tywlksa] ckthxj ds rek’kksa bR;kfn esa rk’ks dk iz;ksx fd;k tkrk gSA blds vfrfjDr dqN yksd u`R;ksa esa Hkh bl dk iz;ksx gksrk gsA <ksy vkSj rk’ks dk vkilh esy gSA ,sfrgkfld n`f"V ls [kq’kh ds ioksZa ij bl ok| dks ctkus dh ijEijk gSA

;g izk;% feVVh dk cuk gksrk gSA ml ij peM+s dh rkrksa ds tkg ls peM+k e<+k fn;k tkrk gSA f[kapok ds fy, bls ladk tkrk gSA oknd rkjksa dks ckal dh ypdnkj [kifp;ksa ls bls ctkrs gsaA bls xys esa yVdkdj [kky okyk Hkkx vkxs dh vksj djds ctk;k tkrk gSA

14- >ka> &

gfj;k.kk ds iqjkru vk/;kfRed thou dks ns[ksa rks iwtk&i)fr ds fy, iz;ksx fd, tkus okys ok|ksa esa tSls 'ka[k] eathjk] [kM+rky vkfn ds

lkFk&lkFk >ka> ds izpyu ds ,sfrgkfld izek.k Hkh feyrs gSaA gfj;k.kk ds izfl) yksdu`R; Qkx rFkk jfl;k u`R; esa >ka> dk iz;ksx fd;k tkrk gsA blds vfrfjDr >ka> dk iz;ksx rk'ks ds lkFk gksrk gSA ;g mÙksftr djus okyk ok| gSA

Åij of.kZr gfj;k.kk ds bu lHkh yksdok|ksa ds vfrfjDr dfqN ,sls Hkh ok| Hkh gSa ftUgsa vk/kqfud dguk mfpr gksxkA tSls gkjeksfu;e] cStksa] Dysfj;ksusV yksdok| rks ugha gS] ijUrq laxhr dks vf/kd izHkko'kkyh o d.kZfiz; cukus ds fy, budk iz;ksx fd;k tkrk gSA

vk/kqfud ok| ;a=ks esa bl izns'k ds yksd dykdkjksa us dsoy gkjeksfu;e] cStks rFkk Dysfj;ksusV dk iz;ksx fd;k gsA blds vfrfjDr dksbZ Hkh vk/kqfud ok| ;a= gfj;k.koh yksdlaxhr esa izpfyr ugha gSA tks bl ckr dks izekf.kr djrk gS fd gfj;k.kk ds yksdlaxhr us viuh ijEijk dks cuk, j[kk gSA tcfd blds fudVorhZ izns'k iatkc ij vis{kkd`r vk/kqfudrk dk izHkko vf/kd iM+k gSA bldk ,d cM+k dkj.k ;g Hkh jgk gS fd gfj;k.kk jkT; ds vfLrRo esa vkus ls igys jkT; dk izcU/k iatkc okfl;ksa ds gkFk esa gksus ds dkj.k fodkl izfØ;k dks iatkc esa dsfUnzr fd;k tkrk jgk gSA blds foijhr gfj;k.kk esa yksx vius ijEikxr

dk;ksZ esa yxs jgsA ifj.kkeLo:Ik gfj;k.kk ds ijEijkxr u`R;] xk;u fØ;k,¡]

,oe~ ok| ;a= vk/kqfudrk ds izHkko ls cps jgsA

f}rh; v/;k;

lkaxhr dk ewy :Ik vkSj lao/kZu

tks laxhr lkekU; lekt }kjk xk;k tkrkgS mlesa ifjorZu] ifjo/kZu vkSj ifjektZu cgqr gh de gksrk gS vkSj ;fn gksrk gS rks Hkh gtkjksa lkyksa esa FkksM+k cgqr gksrk gSA

gfj;k.koh tulekt us lSdM+ks ugha gtkjksa lkyksa dh ;k=k dh gSA gfj;k.koh lkaxhr dk mn~Hko rHkh ls gS tc ls gfj;k.kk {ks= ds yksxksa us viuh cksyh dk iz;ksx djuk lh[kkA blh izdkj izkd`r Hkk"kk us Hkh gfj;k.koh Hkk"kk esa dqN 'kCn fy, gSaA gfj;k.koh Hkk"kk tc viuh fd’kksjoLFkk esa Fkh] rc bl ij ikyh dk cgqr izHkko jgkA blh izdkj laLd`r Hkk"kk ls Hkh blus dqN 'kCn fy, vkSj vius vkidks le`) fd;kA

blh izdkj vjch] Qkjlh vkSj mnwZ ds 'kCn Hkh gfj;k.koh xhrksa esa ik, tkrs gSaA mnwZ ds lkFk rks gfj;k.koh dk vknku&iznku Hkh [kwc jgkA bldk dkj.k gS fd mnwZ eqlyeku 'kkldksa ds dky esa vkSj ckn esa vaxzstks ds jkt esa n¶rjh Hkk"kk jgh vkSj fj;klrksa dk T;knkrkj dkedkt mnwZ esa

gh gksrk Fkk vkSj mnwZ Ldwy&dkWystksa esa i<+kbZ Hkh tkrh Fkh ;kfu gfj;k.koh vkSj mnwZ dk pksyh &nkeu dk lkFk jgk gSA blfy, bu nksuksa Hkk"kkvksa ds 'kCnksa us Hkh ,d nwljh esa ?kqliSB dh gSA mnkgj.k ds fy, gfj;ko.kh xhr ftlesa mnwZ ds 'kCnksa dk iz;ksx fd;k x;k gS] fuEufyf[kr gSa *&

mÙkjh lS cgw MksyS rS]

t.kq bUnz dh gwj

lksus cjxk :Ik cgw dk

Ne&Ne cjlS uwjAA

bl xhr esa gwj vkSj uwj mnwZ ds 'kCn gSaA

fiNys dbZ n’kdksa ls gfj;k.koh pyfp=ksa dk cuuk Hkh tkjh gS vkSj dbZ fQYesa rks dbZ 'kgjksa esa dbZ&dbZ lIrkg pyrh gSaA dFkk ys[ku vFkkZr dgkuh miU;kl vkfn Hkh fy[ks tk jgs gsaA blds lkFk gh lkfgR; dh vU; fo?kk;sa ;Fkk fucU/k] lekykspuk okrkZ] pqVdqys] gkL; O;aX; vkfn lHkh dh jpuk gks jgh gSA ;g mu yksxksa ds fy, niZ.k gS] tks gfj;k.koh dks

Hkk"kk ugha ekursA ge ;g fuf’pr :Ik ls dg ldrs gsa fd gfj;k.koh ea lHkh fo/kkvksa dk izdk’ku gks jgk gS vkSj gksrk jgsxkA

u, iz;ksxksa ls gfj;k.koh yksdxhrksa esa gqvk lao/kZu &

gfj;k.kk ds lkaxhrksa dh ijEijk cM+h iq"V ,oe~ izkphu gSA bu yksdxhrksa dk rkuk&ckuk cM+k yphyk jgk gSA blfy, bu xhrksa dks ifjos’k ,oe~ ifjfLFkfr;ksa ds vuqdwy <yus esa dHkh dksbZ f>>d ugha gqbZA yksdthou ds la?k"kZ vkSj yksdekul dh izo`fÙk;ksa ds vuq:Ik ;s xhr fujUrj viuh vkRek vkSj ycknk cnyrs jgs gSaA le;*≤ ij buds dF; vkSj dFku 'kSfy;ksa esa u;s&u;s iz;ksx gksrs jgs gSa] gks jgs gSa vkSj vkxs Hkh gksrs jgsaxsA bUgha iz;ksxksa ds dkj.k yksdlaxhr lkSan;Z dks izkIr djrk gSA egkRek xka/kh ls izkkfor ,d xhr bl izdkj gS% &

gekjs yksdxhrksa esa tgkj ,d vkSj ihf<+;ka ls pys vk jgs iqjkus laLdkjksa ,oe~ rht&R;ksgkjksa dk o.kZu feyrk gS] ogha nwljh vkSj v/kqukru oSKkfud fudV vkfo"dkjksa ls ysdj jktuhfrd vkanksyuksa rd dk mYys[k Hkh bu yksdxhrksa esa gqvk gSA

gkFk gFkdM+h ik;ka csM+h ;ks xg.kk xka/kh dk

lkS lkS ckj gq;k] tSyka eSa jg.kka xka/kh dk

tks fey;ka lS lqjkt geuS ;ks yg.kk xka/kh dk

feydS uS lc dkSe jgks ;ks dguk xka/kh dk

fgUN dh Å¡ph djnh lTtuks 'kku xka/kh uS

pdjorhZ jktk djs gSjku xka/kh us

ns’k dh [kkR;j [kks nh vi.kh T;ku xka/kh uS

,d ckj fQj iSnk dj Hkxoku xka/kh uSA

yksxksa dk vKku ,oa va/kfo’okl nwj djus ds fy, f’k{kk ds izpkj ij cy fn;k tkus yxk vkSj gekjh f’k{kk uhfr yksdxhrksa esa bl izdkj iz;qDr gksus yxh &

dg n;ks pkph rkbZ dks Hkwyka vkSj HkjikbZ dks]

NksVh&NksVh ckbZ dks rqe HksT;k djks Ldwy eSaA

tuekul ij bl ckr dk vPNk [kkl vlj iM+kA ;gk¡ rd fd NksVh&NksVh yM+fd;ksa dks Hkh ;g ckr ilan vkbZA mueas f’k{kk ds izfr :>ku iSnk gqvk vkSj yksdxhrksa us bldh iqf"V bl izdkj dh &

, lkjh Nksgjh pkyksa gks ds R;kj enjls esa

d<+s ekLVj.kh ihVS gksT;k okj enjls eSaA

vUu ladV dks gy djus ds fy, oSKkfud rkSj &rjhds dks viuk;k tkus yxk rFkk tula[;k ij dkcw ikus ds fy, ifjokj fu;kstu dk ftgkn NsM+k x;kA lkaxhrksa ds ek/;e ls tulk/kkj.k dks bu dk;ZØeksa dh iwjh tkudkjh nh tkus yxhA bu dk;ZØeksa ls izkIr lq[k&lqfo/kkvksa dks ns[kdj yksxksa dks vktknh dk vkuUn vkus yxk vkSj Hkfo"; ds izfr vk’kk,a ca/khA ftldh vfHkO;fDr ,d yksdxhr esa bl izdkj gqbZ &

ikap lky ds ckn js[k.kk nqf[k;k tehankj ugha jg.ks

lc tkfr bdjkj gkSaos dks, rkcsnkj ugha jg.kS

e’khu dkVns] e’khu dkVns] e’khu,a vkjke nsaxh

Hkkjroklh dgSa ;k vktknh xaxk fdlk/kke c.kk nsaxhA

gfj;k.kk esa Ldwy vkSj dkWystks dh Hkjekj yxh gqbZ gSA vf/kd ls vf/kd yM+ds yM+fd;ka dkWyst dh i<++kbZ dk jax&*jax ns[kuk pkgrs gSaA ,d lkaxhr esa bldh >yd bl izdkj fn[kkbZ xbZ gS

u;k tekuk u;h jksluh ik.kh dSlh >ky iM+h

lkjh Nksgjh dkWyst eSa rS ns&iSIij pky iM+h

dks, rks dkyh] dks, rks Hkwjh dk;s rks cSj.k yky iM+h

lkjh Nksgjh

dkSu ugha tkurk fd ge fnu izfrfnu vaxzsthf’k{kk ds dk;y gksrs tk jgs gSaA vaxsth cqjh ugha gS] cqjh gS vaxszft;r] cqjh gS QS’ku ijLr vkSj cqjh gS >wBh 'kkuks'kksdrA bUgha dkj.kksa ls gekjh laLad`fr ik’pkR; laLd`fr ds f’kdtsa esa tdM+rh tk jgh gSA mnkgj.k dk ,d xhr

dSls gks fuekZ>k gekjk] Mxex Mksys Hkkjr lkjk

uk fn[kS dks, dwy fdukjk] csM+k MwC;k ns’k dk

vkt dkYg ds yM+dk yM+dh dkWyst i<+us tkrs gSaA

vkeks&lkeh est ?kkY;] ;s dSls utj cpkrs gSaA

dqN eqLdqjkrs] dqN tqcka gkY;jh vkSj yx[kk

jguk cklQs MkY;jh

est ryS dS ykr pkykjh irkuk xqirh dsl dk

;ks csM+k MwC;k nsl dk…

nsf[k, bl xhr dh vxyh dyh esa ,d csdkjh ds ekjs QS’kuscy xzstq,V dk dSlk gw&c&gw fp=.k djds gekjh f’k{kk i)fr dh dSls f[kYyh mM+kbZ xbZ gSA

pksVh dVk NaVk ckcw eLr [;ky eSa

isaV dksV irywu igj ds Vwys [kM~;k xky eSa

fQj U;wa cksY;k viVwMsV lwa cSBwa dksU;k xzstq,V lwa

vkt jksM+ iS yX;k esV lwa VwVs izsl Mjsl dk

csM+k MwC;k nsl dk

vfUre dyh esa rks vkSj Hkh ;FkkFkZ dks n’kkZ;k x;k gSA fdruh 'keZ dh ckr gS fd ge vius ikjEifjd ewY;kas dks NksM+dj fyQkfQ;k ftUnxh thus yxs gSaA yksddfo dh i;Zos{k.kh n`f"V us bl n`’; dks bl izdkj fprsjk gSA

lS.My lth chfo;ksa dks ys jkst luhek tkrs

?kj dh lCth ilan ugha gksVy iSa [kk.kk [kkrs

cksY;k ih ds uS 'kjkc dh I;kyh

eqag iS IkksMj gksBa iS ykyh

gfj;k.koh yksdlaxhr esa xk;u fo|k ds vUrxZr gqvk lao/kZu &

gfj;k.koh yksdxk;u 'kSyh esa le; ds lkFk&lkFk vusd ifjorZu ns[kus dks feyrs gSaA ;g ifjorZu dykdkjksa dh ftKklq izo`fr ,oe~ uohu lksp dk ifj.kke gSaA

¼1½ vkYgk 'kSyh &

vkYgk 'kSyh dFkkud xhrksa ds vUrxZr vkrh gSA bls ^iokjk* ds uke ls Hkh tkuk tkrk gSA bldk xk;u nzr y; esa gksrk gSA rFkk ;g lkgl ,oa ohjrk ds Hkkoksa dks n’kkZrk gSA gfj;k.kk ds yksdxk;dksa rFkk laxhrdkjksa us Hkh bl Nun dk vuqdj.k dj vusd ohjxkFkkvksa dh jpuk }kjk turk ds ân; esa LFkk;h egRo izkIr fd;k gSA

vkYgk &

jkr chr xbZ] QV xbZZ] fnu fudyk] mn; gqvk HkkuA

clUr iM+;k Fkk] dq¡oj xMsnw esa] yckas iS vk jgs izk.kAA

,d dqEgkj [kksnus feV~Vh] gqvk losjk igq¡pk vkuA

Mldks feyk x<<s ds vUnj] ^^pUnj** gksoS rsjk xkuAA

2- peksyk 'kSyh &

^peksyk 'kSyh vkYgk ‘'kSyh dk gh ,d fodflr :Ik gSa gfj;k.kk dk yksdekul bls peksyk] pkScksyk] vkfn ukeksa ls Hkh tkurk gSA ;g gfj;k.koh yksdlaxhr dh ,d egRoiw.kZ ,oe~ izkphu 'kSyh gSA blesa pkj iafDr;k¡ gksrh gSa vkSj izR;sd pj.k esa 28 ek=k,¡ gksrh gSaA peksyk xkrs le; Loj dks yxHkx cgqr Å¡pk rFkk yEck j[kk tkrk gSA ;g xk;dh cgqr dfBu gksrh gSA

blfy, ;g 'kSyh /khjs&/khjs lkax laxhr ls yqIr gksrh pyh xbZ vkSj uohurk fy, ubZ xs; 'kSyh ^dkfQ;k* pyu esa vkbZA

pkScksyk &

fny dks ;gh djkj pY;k rc lc dh pksV cukdj

lwrh iM+h teky [kM~;k rc egy fiNkM+h tkdjAA

fdl rjg txkÅ¡ lksrh dks tks p<w¡ deUn yxkdjA

nks nsÅ vkokt eUuS dksbZ fxj¶rkj djS vkdjAA

3- dkfQ;k 'kSyh &

^dkfQ;k* dks dqN yksdj ^frckSyk* Hkh dgrs gSaA D;ksafd blesas ,d tSlh rqd okyh rhu iafDr;k¡ gksrh gSaA bl 'kSyh ds gj pj.k esa 30 ek=k,¡ gksrh gSaA fdUrq yksd xk;d bl fu;e dk fuokZg ugha djrsA

vd jgh ckrka rS Hkkot /kjrh dk r[krk MkSysA

pkgs fdruh ygqDdS djys cqjh jgrh uk iM+ns vkSysA

eSus D;w¡ nkst[k eSa xsjS ls D;w¡ cksy xtc ds cksySA

4- jkxuh &

orZeku le; esa lkax ds fdlh Hkh xhr dh jkxuh ds uke ls tkuk tkus yxk gSA bls dkfQ;k 'kSyh dk gh ,d u;k :Ik dg ldrs gSaA jkxuh dk ewy vk/kkj lkax gSA lkax ds vUrxZr xk;h tkus okyh xs; jpuk ^jkfxuh* dgykrh gSA

lkax tkuh pksj dh ,d jkxuh fuEufyf[kr gS &

r[rh dk etcwu i<+;k eUuS] lksp ls c<+hA

ukj egdns] vnyh [kk¡ dh dSn esa iM+hAA

5- fQYeh 'kSyh ls izHkkfor jkxfu;k¡

Ykksd thou dh ,d fo’ks"krk ;g gS fd og fdlh ubZ ckr dk izpyu gksrs Hkh mls viukus dk iz;Ru djrk gSA xr dqN n’kdksa ls Hkkjrh; lekt esa fQYeh xkuksa dk izpkj csgn c<+ x;k gSA bldk izHkko gfj;k.kk ds yksdthou ij Hkh iM+k gSA QyLo:Ik ;gk¡ ds lkax&laxhr dh jkxfu;ksa ls ysdj xk¡o esa xk, tkus okys yksdxhrksa rd ij fQYe dh yksdfiz; /kquksa dk FkksM+k cgqr vlj vo’; iM+k gSA b/kj gfj;k.kk ds dqN lkafx;ksa us fQYeh rtksaZ ij jkxfu;k¡ cukdj izLrqr djuh izkjEHk dj nh gSaA fQYe laxhr esa ls gfj;k.koh yksdlaxhr esa tks /kqusa xzg.k dh xbZ gSa] muesa ls dqN ds mnkgj.k fuEufyf[kr gSaA

1- esjk eu Mksys] esjk ru Mksys

2- :d tk vks tkus okyh :d tk

3- >qedk fxjk ds

dqN fo}ku ;g ekurs gSa fd buesa ls cgqr lh /kqus gfj;k.koh yksdlaxhr ls gh fQYeksa esa xbZ gSaA ^>qedk fxjk js* ds ckjs esa MkW0 Hkheflag efyd dh ekU;rk gS fd bl J`axkfjd xhr dks ;fn cgqr ls ikBd fQYeh xhr le>rs gks rks ;g dksbZ vk’p;Z dh ckr ugha gksxhA fdUrq okLrfodrk rks ;g gS fd gfj;k.kk esa bl xhr dh vk;q rhu&pkSFkkbZ 'krkCnh ls jap ek= Hkh de ugha gSA

gfj;k.koh yksdlaxhr dh 'kSyh esa dqN ,slh fo’ks"krk,¡ gSa] tks ;gk¡ ds xk;u ds <ax dks vusd izdkj ls izHkkfor durh gSaA ^jkxuh* essa fQYeh /kquksa ds gLr{ksi us mUgsa vkSj Hkh yksdfiz; cuk fn;k gSA fQYeh /kqusa ljyrk ls ;kn gks tkus ds dkj.k vklkuh ls xzg.k dj yh tkrh gSA ijUrq gfj;k.koh yksdlaxhr dk fodkl ;gha ugha :dkA bl fodkl dh izfØ;k ds vUrxZr nks xk;u 'kSfy;k¡ vkSj tqM+ xbZ gSa vkSj cgqr yksdfiz;rk Hkh gkfly dj jgh gSA

6- gfj;k.koh xty&

gfj;k.koh xty dh fo/kk orZeku le; esa cgqr yksdfiz; gks jgh gS ijUrq bldk vFkZ ;g dnkfi ugha gSfd igys bl xk;u fo|k dk vfLrRo gh ugha FkkA

^gfj;k.koh xty] gfj;k.koh yksdlaxhr ls cgqr igys ls tqM+h gqbZ gSaA ijUrq budk izpyu cgqr de FkkA

Hkkjr o"kksZa rd eqfLye lkezkT; ds v/khu FkkA blh dkj.k ;gk¡ ds laxhr ij Hkh mldk izR;{k ;k ijks{k :Ik ls izHkko iM+k gSA cgqr o"kksaZ rd mnwZ Hkk"kk bl ns’k esa 'kklu dh Hkk"kk jgh gSA mnwZ ds izlkj ds dkj.k rFkk ikjlh fFk;sVj ds izHkko ds dkj.k gfj;k.koh yksdlaxhr esa mnwZ 'kSyh ds 'kCn izpfyr gks x,A

gfj;k.koh yksdlaxhr esa ^xty* dk iz;ksx vf/kd ugha ik;k tkrkA xt+y vjch Hkk"kk L=hfyax 'kCn gS] ftldk vFkZ gS & izseik= ls okrkZykiA mnwZ vkSj Qkjlh dh dfork dk ,d fo’ks"k izdkj ^xty* dgykrk gSA ,d xt+y esa de ls de ik¡p vkSj vf/kd ls vf/kd X;kjg ‘’ksj gksrs gSaA lkjs 'ksj ,d gh dkfQ, eas gksrs gSa vkSj izR;sd 'ksj esa ,d LorU= Hkko gksrk gSA bldk ,d mnkg.k fuEufyf[kr gS &

fny esa lek xbZ ylkuh 'kku gSA

rhj fetxka ds yxs fny esa pqHks x,

ftlds gSa lj ;s chp esa vkc: deku gSA 1AA

eqxZ fcLey dh rjg vc rks rM+irh gw¡

dhek cuk ds NksM+ nh rfu;y gSjku gSAA 2AA

lwe ls gksrk ugha y{eh ?kjh jgks

fHk{kqd [kM+k gS }kj ij rsjs nkrk ls nku gSAA3AA

b’d rsjs us eq>s nhokuk dj nbZ

dgS l:ipUnz vkSlj la?kk vc fdldh dku gSAA4AA

oLrqr% gfj;k.koh yksdlaxhr esa mnwZ Hkk"kk ds rks vusd 'kCn fey tkrs gsa] fdUrq mnwZ NUnksa ;k mnwZ 'kSyh dk iz;ksx cgqr de gqvk gSA tgk¡ mnwZ 'kSyh feyrh gS] ogk¡ mlesa gfj;k.kk dh jaxr jgrh gSA

7- gfj;k.koh ikWi &

bls gfj;k.koh yksdlaxhr dh fo/kk rks ugha dg ldrs ijUrq bldk mYys[k djuk vko’;d gS D;ksafd bldh c<+rh yksdfiz;rk dks ns[krs gq, gks ldrk gS fd vkus okys le; esa ;g gfj;k.koh laLd`fr dk fgLlk cu tk,A

gfj;k.koh ikWi dh fo/kk orZeku le; esa vR;ar yksdfiz; gSA bl fo/kk eas gfj;k.koha cksyksa ds lkFk&lkFk ik’pkR; vankt ,oe~ vaxzsth cksyksa dk leUo; gksrk gSA

bl fo/kk dks yksdfiz; djus esa ^Jh vuwi ykBj th* dk cgqr cM+k gkFk gSA gfj;k.koh ikWi esa xk;d ds lkFk&lkFk urZd Hkh viuh izLrqfr nsrs gSaA ;g fo/kk gfj;k.koh laLd`fr dks tu&tu esa vR;ar :fpiw.kZ <ax ls yksdfiz; cuk jgh gSA gfj;k.koh ikWi dh ;g fo/kk ^2004* ls ;qok egksRlo esa Hkh 'kkfey gks xbZ vkSj ;qok ih<+h esa Hkh cgqr yksdfiz; gks xbZA bldh os’kHkw"kk esa Hkh gfj;k.koh vkSj lkk’pkR; jax dk leUo; ns[kus dks feyrk gSA vkt bl fo/kk us tu&tu ds chp tks yksdfiz;rk gkfly dh gS] muds fy, ^Jh vuwi ykBj th* iz’kalk ds ik= gSaA

tSls

nqfu;k rS U;kjk] gfj;k.kk ;ks Egkjk

lkPph doka lk] geuS] izk.kka rS I;kjk

ge nwj ?k.kka cgksr] tk js lka

nqfu;k eSa uke dek jSa lka

;k /kjrh fdlkuk dh] ljgn ds tokuk dh

bl lovely lh land ij cktSaxs Band

idM+ ds Hat c.k tkvks Friend

fQj I;kj ds Qwy f[kykosaxs

Land of God, Angel come here

Bring Out ts Any fear

Brotherhood dV~Bs gks tkvks

Donot worry and be happy

Fkke ckr lq.kks esjs HkkbZ

nw/k fcyksos eEeh] vkaVh] pkph] rkbZ

fu"d"kZ :Ik esa ;g Li"V :I ls dgk tk ldrk gS fd gfj;k.koh yksdlaxhr esa le; ds lkFk&lkFk vusd ifjorZu gq, gSa vkSj ifjorZu dk ;g Øe vkxs Hkh tkjh jgsxk D;ksafd uohurk gh l`f"V dk fu;e gSA

उमरा निवासी कृष्ण खुले मंच पर गाते हुए

विकास सातरोडिया द्वारा कुछ सांगीतों का मंचन खुले मंच पर

युवा सांगीतकार विकास सातरोडिया रागनी गाते हुए

मंचन से पहले कलाकार

शोध कार्य के दौरान कलाकारों के साथ मनीष जोशी

सतीश कश्यप द्वारा मंच पर स्वांग ।

मंच पर संध्या शर्मा एवं सतीश कश्यप

मंचन से पहले सतीश कश्यप एवं संध्या शर्मा

सतीश कश्यप एवं संध्या शर्मा सांग नौटंकी में